MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 31 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-148

आस्था का सैलाब

चारधाम यात्रा ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

चमोली, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा इस साल नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। बाबा केदारनाथ के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि धाम के कपाट खुलने के महज 39 दिनों के भीतर 10 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इतनी कम अवधि में इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों का पहुंचना अपने आप में एक नया रिकॉर्ड माना जा रहा है।

22 अप्रैल को केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे। इसके बाद से लगातार यात्रियों की संख्या बढ़ती रही और अब यह आंकड़ा 10 लाख के पार पहुंच गया है। यात्रा सीजन के शुरुआती दौर में ही रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से साफ है कि इस बार चारधाम यात्रा को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है।

रुद्रप्रयाग की पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने बताया कि अब तक 10 लाख श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन यात्रा मार्ग पर यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए लगातार काम कर रहे हैं तथा हर संभव मदद उपलब्ध कराई जा रही है।

बदरीनाथ-हेमकुंड साहिब में भी भारी भीड़

केदारनाथ के साथ-साथ बदरीनाथ धाम और हेमकुंड साहिब में भी श्रद्धालुओं का सैलाब देखने को मिल रहा है। अब तक 7.25 लाख से अधिक श्रद्धालु बदरीनाथ धाम पहुंच चुके हैं। खास बात यह है कि लगातार बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ है।

सिखों के पवित्र तीर्थ स्थल हेमकुंड साहिब में भी इस बार रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कई स्थानों पर बर्फबारी के बीच यात्रियों को सुरक्षा बलों और स्वयंसेवकों की मदद से रास्ता पार कराया जा रहा है। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी कठिन मौसम के बावजूद यात्रा पूरी कर रहे हैं।

चारधाम यात्रा के आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक 24 लाख से अधिक श्रद्धालु उत्तराखंड पहुंच चुके हैं। प्रशासन लगातार व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटा है और यात्रियों की शिकायतों का तत्काल समाधान करने का दावा कर रहा है।

देश के कई हिस्सों में तापमान 45 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश का रुख कर रहे हैं। चमोली जिले में बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, औली, नीति-माणा घाटी और अन्य पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। पहाड़ों में कहीं बारिश तो कहीं बर्फबारी का दौर जारी है। ठंडा मौसम और प्राकृतिक सौंदर्य लोगों को आकर्षित कर रहा है। यही वजह है कि तीर्थयात्रियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में पर्यटक भी उत्तराखंड पहुंच रहे हैं।

जोशीमठ में रेंग रही गाड़ियां, 20 किमी जाम

बढ़ती भीड़ का सबसे बड़ा असर जोशीमठ क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। यहां मारवाड़ी से गोविंदघाट और जोशीमठ से सेलंग तक कई स्थानों पर 15 से 20 किलोमीटर लंबा जाम लग रहा है। हालत यह है कि सुबह से लेकर देर रात और कई बार तड़के तीन बजे तक वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आते हैं।

यातायात को नियंत्रित करने के लिए वन-वे सिस्टम लागू किया गया है, लेकिन यात्रियों की भारी संख्या के सामने यह व्यवस्था भी नाकाफी साबित हो रही है। पिछले एक सप्ताह से लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है और जून में भीड़ और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और अन्य राज्यों से आए कई श्रद्धालु जाम के बावजूद यात्रा का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। हेमकुंड साहिब यात्रा पर आए कुछ श्रद्धालुओं ने जोशीमठ में सड़क किनारे गैस स्टोव पर चाय और मैगी बनाकर समय बिताया। यात्रियों का कहना है कि मैदानी इलाकों की भीषण गर्मी की तुलना में उत्तराखंड का ठंडा मौसम उन्हें राहत दे रहा है। ▶8पर

डीके बनेंगे 24वें मुख्यमंत्री

कर्नाटक में 4 डिप्टी सीएम!

बेंगलुरु, 30 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अब राज्य के 24वें मुख्यमंत्री बनेंगे। बेंगलुरु में शनिवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिद्धारमैया ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि 3 जून की शाम डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। बैठक के बाद शिवकुमार ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की। बैठक में सभी विधायकों ने मिलकर प्रस्ताव पास किया, जिसमें यह तय किया गया कि नए नेता का फैसला कांग्रेस की केंद्रीय लीडरशिप करेगी। इसके बाद सिद्धारमैया ने खुद डीके शिवकुमार का नाम नए कांग्रेस विधायक दल के नेता के तौर पर पेश किया। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने प्रस्ताव का समर्थन किया और सभी विधायकों ने एकमत से इसका समर्थन किया। शिवकुमार ने एक प्रस्ताव रखकर सिद्धारमैया का शुक्रिया अदा किया। बैठक के दौरान सिद्धारमैया, वेणुगोपाल और सुरजेवाला अलग कमरे में चले गए और आपस में बात की। इसके बाद बैठक फिर शुरू हुई और शिवकुमार को नेता चुना गया।

शिवकुमार सीएम रोटेशनल फॉर्मूला के तहत मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। सिद्धारमैया 20 मई 2023 से 28 मई 2026 तक मुख्यमंत्री रहे हैं। आज की बैठक में कर्नाटक कांग्रेस इंचार्ज रणदीप सुरजेवाला, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। दोनों को पर्यवेक्षक बनाया गया है।

सूत्रों के मुताबिक सीएम के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। नई कैबिनेट में सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे भी शामिल होंगे। 4 डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं।

अरबों की संपत्ति और विवादित अतीत

कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री बनने जा रहे डीके शिवकुमार देश के सबसे अमीर नेताओं में हैं। उनके पास 1413 करोड़ से अधिक की संपत्ति है। वह रियल एस्टेट, खनन और होटल कारोबारी भी हैं। दिलचस्प यह है कि इतनी संपत्ति के बावजूद उनके चुनावी हलफनामे में एक टोयोटा क्वालिस कार दर्ज है। 263 करोड़ का कर्ज भी है।

1962 में बेंगलुरु के पास कनकपुरा में जन्मे डीके वोक्कालिगा समुदाय से हैं। वह कनकपुरा से ही विधायक हैं। कांग्रेस में उनकी पहचान ऐसे नेता की है जो पार्टी विधायकों को टूटने से बचाते हैं। किसी भी बड़े ऑपरेशन, चुनाव मैनेजमेंट, प्रचार या गुप्त रणनीतियों के लिए जिस वित्तीय और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट की जरूरत होती है, उसे वे बखूबी मैनेज कर लेते हैं। डीके पर 19 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। ईडी उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के दो केस में जांच कर रही है। 2017 में आयकर विभाग के छापे में इनके घर 8.5 करोड़ रु. मिले थे। ▶8पर

भारत बेचेगा ब्रह्मोस वियतनाम से सौदा

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। भारत की ब्रह्मोस मिसाइल अब वियतनाम और इंडोनेशिया तक पहुंचने वाली है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सिंगापुर में बड़ा खुलासा किया कि वियतनाम के साथ सौदा पहले ही हस्ताक्षरित हो चुका है, बस सार्वजनिक घोषणा बाकी है। इंडोनेशिया के साथ भी बात लगभग अंतिम चरण में है।

ब्रह्मोस एक बहुत ताकतवर मिसाइल है जिसे भारत और रूस ने मिलकर बनाया है। यह मिसाइल दुश्मन के जहाज, बंकर या ठिकाने को बहुत तेज रफ्तार से जाकर तबाह कर सकती है। अब भारत इसे दूसरे देशों को बेच रहा है और यह एक बहुत बड़ी बात है क्योंकि इससे भारत की ताकत और साख दोनों बढ़ रही है।

शनिवार को सिंगापुर में एक बड़ा रक्षा कार्यक्रम हुआ, जिसका नाम है शांगरी-ला डायलॉग। यह एशिया का सबसे बड़ा सुरक्षा सम्मेलन माना जाता है, जहां दुनियाभर के रक्षा मंत्री और अधिकारी इकट्ठा हुए । यहीं भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वियतनाम के साथ ब्रह्मोस की डील पहले ही साइन हो चुकी है, बस अभी तक इसका सार्वजनिक ऐलान नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि इंडोनेशिया के साथ डील के आखिरी चरण चल रहे हैं और वह भी जल्द पूरी होने वाली है।

ब्रह्मोस खरीदने वाला पहला विदेशी देश फिलीपींस था। फिलीपींस ने 2022 में करीब 375 मिलियन डॉलर यानी करीब 3,100 करोड़ रुपये में यह मिसाइल सिस्टम खरीदा था। यह एक बड़ी डील थी और इसने दुनिया का ध्यान खींचा था। इसके बाद से कई देश ब्रह्मोस खरीदने में दिलचस्पी दिखाने लगे। इंडोनेशिया ने पहले खुद कहा था कि उसने ब्रह्मोस खरीदने के लिए भारत के साथ एक समझौता किया है। इस महीने की शुरुआत में खबरें आई थीं कि वियतनाम भी ब्रह्मोस डील के करीब है। लेकिन रक्षा सचिव आरके सिंह के शनिवार के बयान से पहली बार सरकारी स्तर पर यह बात सामने आई कि ▶8पर

दिल्ली में पांच मंजिला इमारत ढही

70-80 लोगों के फंसे होने की आशंका

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। दक्षिण दिल्ली के साकेत क्षेत्र स्थित सैदुलअजाब में शनिवार शाम एक पांच मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय भवन में पीजी, कैफे और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। वीकएंड होने के कारण भवन में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। स्थानीय लोगों के अनुमान के अनुसार 70 से 80 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है।

एनडीआरएफ की टीम ने अब तक पांच लोगों को बाहर निकाला है। बाकी लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। घायलों को निकालने के लिए डॉग स्क्वाड की मदद ली जा रही है। वहीं, घायलों को तुरंत ही एम्बुलेंस से इलाज के लिए भेजा जा रहा है। बताया जा रहा है कि उक्त इमारत में मेडिकल की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी रहते थे एवं कोचिंग में पढ़ते थे। घटना की जानकारी मिलते ही पहुंचे स्थानीय वासी रमेश ने बताया कि उक्त इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर एक लाइब्रेरी थी, जहां हादसे के समय करीब 40 मेडिकल के स्टूडेंट्स मौजूद थे। उन्होंने बताया कि यह इमारत करीब 15 साल पुरानी थी।

दिल्ली फायर सर्विस को शाम 7:44 बजे इमारत गिरने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमों को मौके पर रवाना किया गया। शुरुआती चरण में तीन वाटर टेंडर और एक इंसिडेंट रिस्पांस टीम (आईआरटी) भेजी गई। बाद में राहत एवं बचाव कार्य को तेज करने के लिए एक अतिरिक्त वाटर टेंडर और लाइट वैन को भी मौके पर लगाया गया। इस बीच मामले की गंभीरता को देखते हुए लोगों की भीड़ आगे बढ़कर बचाव कार्य में जुट गई।

हादसा साकेत मेट्रो स्टेशन के निकट स्थित सैदुलअजाब इलाके में हुआ। इमारत गिरने के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया और पुलिस व अन्य एजेंसियों को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस, दमकल विभाग, एसडीआरएफ और अन्य बचाव एजेंसियां संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं।

स्थानीय प्रधान रविंद्र सिंह ने बताया कि भवन में पीजी, कैफे और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होती थीं। सप्ताहांत होने के कारण यहां लोगों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में अधिक थी।

एसडीआरएफ की टीम अब तक पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल चुकी है, जबकि अन्य लोगों को निकालने के प्रयास लगातार जारी हैं।

दो मंजिला भवन पर बनाईं तीन अतिरिक्त मंजिलें

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मूल रूप से यह दो मंजिला भवन था। इसके ऊपर बाद में तीन अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं। आशंका जताई जा रही है कि अतिरिक्त भार के कारण भवन की संरचना कमजोर पड़ गई और वह वजन नहीं संभाल पाई। इसके चलते पूरी इमारत ढह गई।

दमकल विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, इसके तुरंत बाद घटनास्थल पर शुरू में 3 वाटर टेंडर और एक आईआरटी रवाना किए गए। बाद में एक और वाटर टेंडर और एक लाइट वैन भेजी गई। रेस्क्यू और राहत कार्य तेजी से चल रहा है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38⁰
न्यूनतम : 28⁰

अभिषेक बनर्जी पर हमला

अंडे फेंके, मारपीट की कोशिश

कोलकाता, 30 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमला हुआ है। चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान पीड़ितों से मिलने पहुंचे टीएमसी नेता पर प्रदर्शनकारियों ने कच्चे अंडे फेंके और उनके साथ मारपीट की है। स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षाकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाई। उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए तुरंत हेलमेट पहनाया गया। इसके बाद सुरक्षा घेरे के बीच वहां से बाहर निकाला गया।

ये पूरी घटना सोनारपुर के कमराबाद इलाके की है। टीएमसी सांसद शनिवार शाम को अपनी पार्टी के एक मृतक कार्यकर्ता के घर पहुंचे थे। वे करीब साढ़े चार बजे कमराबाद पहुंचे। इस दौरान बीजेपी के नेता-कार्यकर्ता के साथ बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी पहले से मौजूद थे। इस प्रदर्शन में महिलाओं को आगे रखा गया था, जिनके हाथों में कच्चे अंडे थे।

भारी विरोध को देखते हुए अभिषेक बनर्जी अपनी कार छोड़कर बाइक से इलाके के अंदर घुसने लगे। तभी प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित के घर से कुछ सौ मीटर पहले ही उन्हें रोक लिया। उनके सामने चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस दौरान उग्र भीड़ ने सड़क पर दो मोटरसाइकिलें भी फेंक दीं, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अभिषेक बनर्जी के इस दौरे को लेकर स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा देखने को मिला। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि इलाके में पिछले 15 साल से कोई विकास नहीं हुआ है।

सड़कों की हालत खस्ता है और पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता। वहीं, ट्रेन में गाना गाकर पेट पालने वाले एक स्थानीय नागरिक ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि उनके माता-पिता बुजुर्ग हैं, बेटा विकलांग है, लेकिन आज तक किसी नेता ने उनकी सुधि नहीं ली। लोगों ने आरोप लगाया कि एक तरफ जनता बुनियादी चीजों के लिए तरस रही है, तो दूसरी तरफ अभिषेक बनर्जी ने अपने लिए 17 घर खड़े कर लिए हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, अब नई सरकार आने से उनकी उम्मीदें बंधी हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, वहां सड़कों का हाल बहुत खराब है। करीब एक किलोमीटर तक सड़क की स्थिति बेहद खराब है। ▶8पर

हार्मुज स्ट्रेट ब्लॉकेड

13 जहाजों को निकालने ऑपरेशन शुरू

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। हार्मुज स्ट्रेट ब्लॉकेड के बीच केंद्र सरकार ने एक उच्च प्राथमिकता वाला ऑपरेशन शुरू किया है। इस ऑपरेशन के तहत हार्मुज स्ट्रेट में मौजूद भारतीय झंडे वाले 13 कमर्शियल जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने की तैयारी की गई है। यह कदम भारतीय नागरिकों, नाविकों और कमर्शियल हितों की सुरक्षा के लिए कई मंत्रालयों के तालमेल से चलाई जा रही सरकारी कोशिश का हिस्सा है। इसी के साथ विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी है। मंत्रालय ने वहां मौजूद लोगों से भारतीय ▶8पर

स्मार्ट पैरेंटिंग ट्रिक्स अपनाकर बच्चे को कर सकते हैं मोबाइल से दूर

लंदन

स्मार्टफोन अब केवल मनोरंजन का साधन नहीं रहा, बल्कि आनलाइन क्लास, गेम्स, यूट्यूब वीडियो और सोशल मीडिया ने उन्हें स्क्रीन के और करीब ला दिया है। ऐसे में, बच्चों को मोबाइल की इस लत से कैसे बाहर निकाला जाए, यह कई पेरेंट्स के लिए एक बड़ा सवाल है। अच्छी खबर यह है कि डांटने या जबरदस्ती फोन छीनने की बजाय कुछ स्मार्ट पैरेंटिंग ट्रिक्स अपनाकर आप धीरे-धीरे बच्चे की स्क्रीन टाइम की आदत को नियंत्रित कर सकते हैं। पहला महत्वपूर्ण कदम है बच्चे के साथ अधिक समय बिताना। अक्सर बच्चे अकेलेपन या बोरियत महसूस करने पर मोबाइल की ओर आकर्षित होते हैं, क्योंकि उन्हें कोई साथी नहीं मिलता। ऐसे में कोशिश करें कि रोज थोड़ा समय सिर्फ बच्चे के लिए निकालें। उनके साथ बोर्ड गेम खेलें, छोटी-छोटी बातें करें या शाम को टहलने जाएं। परिवार के साथ बिताया गया समय बच्चों का ध्यान मोबाइल से हटाने में मदद करता है और उन्हें यह एहसास दिलाता है कि असली मजा सिर्फ स्क्रीन में नहीं, बल्कि अपने लोगों के साथ भी है। दूसरा, स्मार्टफोन इस्तेमाल के लिए छोटे-छोटे नियम बनाएं। पूरी तरह फोन बंद करना आज के दौर में मुश्किल है, लेकिन इसकी सीमा तय करना आवश्यक है। आप घर में कुछ सिंपल रूल्स बना सकते हैं, जैसे खाना खाते समय मोबाइल नहीं, पढ़ाई के दौरान फोन दूर रहेगा, रात को सोने से एक घंटा पहले स्क्रीन बंद, और दिन में सिर्फ तय समय तक ही मोबाइल इस्तेमाल। शुरुआत में बच्चा नाराज हो सकता है, लेकिन लगातार नियमों का पालन करने और स्वयं पेरेंट्स द्वारा उन नियमों का अनुसरण करने से बच्चा उन्हें अपनाने लगता है। तीसरा उपाय है बच्चों को आउटडोर गेम्स के लिए प्रोत्साहित करना। आजकल ज्यादातर बच्चे घर के अंदर रहना पसंद करते हैं, यही वजह है कि मोबाइल उनका सबसे बड़ा टाइमपास बन जाता है। यदि आप चाहते हैं कि बच्चा स्क्रीन टाइम कम करे, तो उसे आउटडोर एक्टिविटीज में शामिल करें। पार्क में खेलना, साइकिल चलाना, बैडमिंटन खेलना या दोस्तों के साथ समय बिताना बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए अच्छा माना जाता है। शारीरिक गतिविधि करने वाले बच्चों में चिड़चिड़ापन भी कम देखने को मिलता है और उनकी ऊर्जा सही जगह खर्च होती है। चौथा, नई हाबीज बच्चों का ध्यान सफलतापूर्वक बदल सकती हैं। हर बच्चे के अंदर कोई न कोई खास टैलेंट जरूर होता है, चाहे वह पेंटिंग, डांस या संगीत में दिलचस्पी दिखाता हो। यदि पेरेंट्स बच्चों की इन रुचियों को पहचानकर बढ़ावा दें, तो मोबाइल की लत काफी हद तक कम हो सकती है। उदाहरण के तौर पर, अगर बच्चा ड्राइंग पसंद करता है, तो उसे कलर किट दिलाएं, या म्यूजिक में रुचि होने पर किसी क्लास में भेज सकते हैं। जब बच्चे का मन रचनात्मक गतिविधियों में लगने लगता है, तो वह खुद स्क्रीन से दूरी बनाना शुरू कर देता है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल : जनकपुरधाम को विवाह पर्यटन केंद्र बनाने की सरकार की घोषणा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने जनकपुरधाम को विवाह पर्यटन केंद्र (डेस्टिनेशन वेडिंग हब) के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। नेपाल के वित्त मंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले ने ऐतिहासिक, धार्मिक और पर्यटन महत्व से भरपूर माता सीता की जन्मभूमि तथा मधेश प्रदेश की राजधानी जनकपुरधाम को विवाह पर्यटन के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। वित्त मंत्री डा. वाग्ले ने शुक्रवार को आगामी आर्थिक वर्ष 2083/84 के लिए संसद में प्रस्तुत बजट के माध्यम से यह घोषणा की। उन्होंने जानकारी दी कि भारतीय सीमा से जनकपुरधाम तक जुड़े राम-जानकी पथ तथा राम-जानकी परिक्रमा मार्ग के उन्नयन के लिए बजट का प्रावधान किया गया है। बजट वक्तव्य के अनुसार, मधेश प्रदेश की जीवनरेखा मानी जाने वाली हुलाकी सड़क और रेलवे के विकास, पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के विस्तार एवं सड़क स्तरोन्नयन के साथ-साथ पोषण कार्यक्रम, शिक्षा, स्वास्थ्य और खेलकूद क्षेत्रों के लिए भी बजट आवंटित किया गया है। वित्त मंत्री डा. वाग्ले की इस घोषणा को मधेश प्रदेश में सकारात्मक रूप से लिया गया है।

बीजिंग में भारत-चीन सीमा पर चर्चा, कश्मीर पर एमईए का करारा जवाब

बीजिंग। भारत और चीन ने बीजिंग में अपनी परामर्श एवं समन्वय कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 35वीं बैठक में सीमा विवाद सुलझाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि दोनों पक्षों ने परिसीमन, सीमा प्रबंधन, तंत्र निर्माण और सीमा सहयोग से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। भारतीय पक्ष ने सीमा पार नदियों पर अगली विशेषज्ञ स्तरीय बैठक शीघ्र आयोजित करने पर विशेष जोर दिया, जिसका उद्देश्य पूर्व समझौतों को आगे बढ़ाना है। दोनों देश चीन में होने वाली अगली वार्ता की ठोस तैयारी के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। प्रवक्ता ने इन वार्ताओं को रचनात्मक और एक सकारात्मक कदम बताया। हालांकि, इन सीमा वार्ता के बीच, विदेश मंत्रालय ने चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर की गई अनावश्यक टिप्पणियों को सिरे से खारिज किया। यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के चीन दौरे के दौरान जारी हुआ था, जिसमें चीन ने जम्मू-कश्मीर को एक पुराना विवाद बताया और इस संयुक्त राष्ट्र चार्टर, सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से हल करने की बात कही थी।

अपने व्यस्त शूटिंग शेड्यूल को लेकर चर्चा में जेंडाया

लास एंजेलस। दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल की जा चुकीं हालीवुड अभिनेत्री जेंडाया ने खुलासा किया है कि वह एक साथ कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही थीं, जिसके चलते उन्हें भारी थकान का सामना करना पड़ा। अभिनेत्री जेंडाया इन दिनों अपने व्यस्त शूटिंग शेड्यूल को लेकर चर्चा में हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जेंडाया इन दिनों फिल्म द ओडिसी, ड्यून पार्ट थ्री और सीरीज यूफोरिया के तीसरे सीजन की शूटिंग एक साथ कर रही थीं। अभिनेत्री ने बताया कि लगातार अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के बीच काम करना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। उन्होंने कहा कि कई बार वह इतनी थक जाती थीं कि सेट पर ध्यान बनाए रखना भी मुश्किल हो जाता था। जेंडाया ने बताया कि उन्हें खास तौर पर यूफोरिया की शूटिंग के दौरान काफी परेशानी हुई। रात में एक रैंच पर शूटिंग चल रही थी और उसी दौरान उन्हें ड्यून पार्ट थ्री के लिए चाकोबसा भाषा की लाइनें याद करनी पड़ रही थीं। इसके साथ ही वह द ओडिसी के संवाद भी लिखकर याद कर रही थीं, क्योंकि उन्हें जल्द ही आइसलैंड जाकर शूटिंग करनी थी। अभिनेत्री ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उनके करियर की सबसे शर्मनाक बात यही हो सकती थी कि वह निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म में अपनी लाइनें भूल जाएं, लेकिन ऐसा एक बार हो भी गया। हालांकि उन्होंने इसे अपने व्यस्त और थकाऊ शेड्यूल का असर बताया। वर्कफ्रंट की बात करें तो जेंडाया जल्द ही द ओडिसी में एथेना की भूमिका में दिखाई देंगी। इसके बाद वह स्पाइडर मैन : द ब्रैंड न्यू डे में एमजे के किरदार में वापसी करेंगी।

क्या ईरान की 4 शर्तों पर राजी हुआ अमेरिका, अब ट्रंप की मुहर का इंतजार

वाशिंगटन

पश्चिम एशिया में इस समय बेहद दिलचस्प और विरोधाभासी स्थितियां बनी हुई हैं, जहां एक तरफ शांति की मेज पर समझौते की बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ मिसाइल हमले, कड़े प्रतिबंध और सैन्य अभियान भी पूरी शिद्दत से जारी हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बयान में कहा कि ईरान के साथ चल रही शांति वार्ता में काफी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अभी तक इस प्रस्तावित समझौते यानी मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग को अपनी अंतिम मंजूरी नहीं दी है। वेंस के अनुसार, दोनों पक्ष फिलहाल समझौते के कुछ भाषाई बिंदुओं को स्पष्ट करने में जुटे हैं और उम्मीद है कि राष्ट्रपति जल्द ही इस समझौते का समर्थन करेंगे, लेकिन अभी तक अंतिम रूप से कुछ भी तय नहीं हो पाया है। इस राजनीतिक हलचल के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी अपनी सेना को करीब 70 प्रतिशत गाजा क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण करने का आदेश दे दिया है, जिसने जमीनी तनाव को और बढ़ा दिया है। इस संभावित समझौते के तहत दोनों देशों के बीच कुछ बड़ी शर्तें तय की जा रही हैं। इसके तहत ईरान इस बात का औपचारिक वादा करने को राजी हुआ है कि उसकी परमाणु हथियार बनाने की कोई इच्छा नहीं है। साथ ही वह अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम को छोड़ने पर बातचीत शुरू करने और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलकर वहां बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाने के लिए तैयार है। इसके बदले में अमेरिका ईरान पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंधों में ढील देने, उसके तेल कारोबार को राहत पहुंचाने, फ्रीज किए गए फंड को जारी करने पर बात करने के साथ-साथ नौसैनिक घेराबंदी हटाने और लेबनान युद्ध को समाप्त कराने में मदद करने पर सहमत हुआ है। हालांकि, इस बातचीत के समानांतर जमीनी हकीकत काफी हिंसक बनी हुई है। गुरुवार की रात ईरान के बुशेहर प्रांत में एयर डिफेंस सिस्टम अचानक सक्रिय कर दिए गए और ईरानी मीडिया ने दावा किया कि उन्होंने अपने हवाई क्षेत्र में घुसे एक अमेरिकी विमान को मार गिराया है। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस दावे को तुरंत खारिज करते हुए कहा कि उनका कोई भी विमान नहीं गिराया गया है। इसी दौरान ईरानी सेना द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिका से जुड़े चार जहाजों को निशाना बनाने की भी खबर आई। इस तनाव के बीच अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने ईरान के सैन्य नेटवर्क से जुड़े तेल कारोबार और राजस्व तंत्र पर नए और कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिससे साफ है कि बातचीत के बावजूद अमेरिका अपना दबाव कम नहीं कर रहा है। इस लंबे खिंचते संघर्ष में अमेरिका को भी अब तक भारी सैन्य और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। एक आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, 28 फरवरी 2026 से शुरू हुए इस सैन्य टकराव में अब तक कम से कम 42 अमेरिकी सैन्य विमान या तो पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं या उन्हें भारी क्षति पहुंची है। इस पूरे सैन्य अभियान की कुल लागत करीब 29 अरब डालर तक पहुंच चुकी है। इसके अलावा, अमेरिका ने अपने 24 अत्याधुनिक रीपर ड्रोन और एक निगरानी ड्रोन भी गंवाए हैं। पेंटागन द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस भीषण संघर्ष में अब तक 15 अमेरिकी सैनिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, जबकि 538 से अधिक सैनिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जो इस युद्ध की भयावहता को दर्शाते हैं।

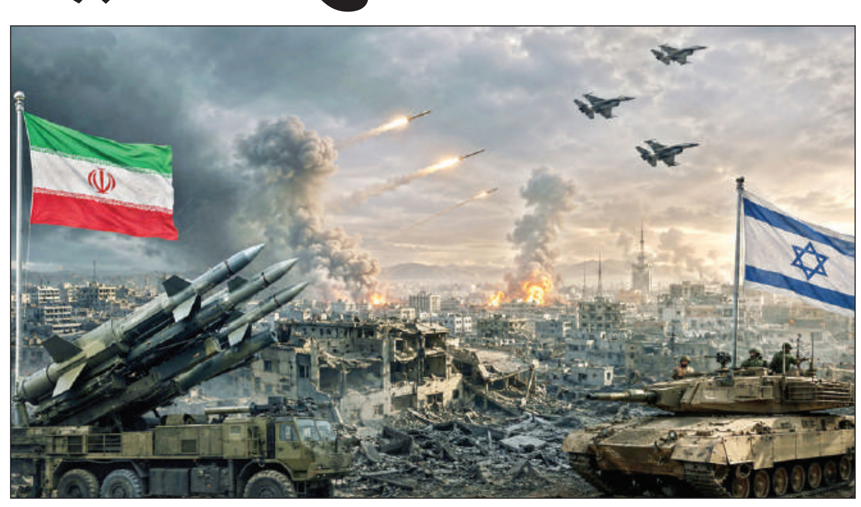

कनाडा पुलिस को लारेंस गैंग की धमकी

लुधियाना। कनाडा में चल रही जबरन वसूली और हिंसक वारदातों के पीछे सक्रिय लारेंस गैंग के सिंडिकेट ने ब्रिटिश कोलंबिया पुलिस को सीधे चुनौती देते हुए एक लेटर भेजा है। लेटर में गैंग की ओर से दावा किया गया है कि कनाडा में उनके 1000 से अधिक फुट सोल्जर्स या ग्राउंड स्तर के शूटर सक्रिय हैं। लेटर सामने आने के बाद कनाडा के सुरक्षा तंत्र और वहां रह रहे दक्षिण एशियाई समुदाय, खासकर भारतीय और पंजाबी मूल के व्यापारियों में दहशत का माहौल है। यह खुलासा गुरुवार को कनाडा में चल रही एक डिपोर्टेशन सुनवाई के दौरान हुआ। कनाडाई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जबरन वसूली मामलों के एक प्रमुख जांचकर्ता और एडमान्टन पुलिस सेवा के जासूस ने इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड के सामने गवाही देते हुए बताया कि ब्रिटिश कोलंबिया के एबाट्सफोर्ड पुलिस स्टेशन में पिछले साल 13 अगस्त 2025 को यह पत्र पहुंचा था। लेटर ने कनाडा में संगठित अपराध के उस नेटवर्क को उजागर किया है, जिसे भारत की जेल में बंद लारेंस बिश्नोई से जोड़ा जाता है। कनाडा पुलिस अब इस लेटर की सामग्री और इसके स्रोतों की गहन जांच कर रही है।

पैराग्लाइडिंग कर रही महिला का कटा पैराशूट बाल-बाल बची जान

वियना

पैराग्लाइडिंग के दौरान आस्ट्रिया के पहाड़ी इलाके में हुआ एक खौफनाक हादसा दुनियाभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस हादसे के प्रत्यक्षदर्शी महिला की हिम्मत की दाद दे रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 44 वर्षीय सबरीना आस्ट्रिया के प्रसिद्ध शिमटेनहोहे पर्वत क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग कर रही थीं।

इसी दौरान एक छोटा पर्यटन विमान उनके बेहद करीब पहुंच गया। देखते ही देखते विमान का पंख उनके पैराशूट से टकरा गया और पैराग्लाइडर का मुख्य पैराशूट बुरी तरह फट गया। हादसे का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ दिखाई देता है कि टक्कर के बाद पैराशूट के टुकड़े हवा में बिखर जाते हैं और महिला तेजी से नीचे गिरने लगती है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना के समय महिला हजारों फीट की ऊंचाई पर थीं। पैराशूट टूटने के बाद वे हवा में असंतुलित होकर तेजी से नीचे गिरने लगीं। कुछ क्षणों के लिए ऐसा लगा कि अब उन्हें बचाना संभव नहीं होगा। लेकिन इस बेहद खतरनाक स्थिति में भी सबरीना ने धैर्य बनाए रखा। उन्होंने खुद को उलझे हुए पैराशूट के टुकड़ों से अलग किया और समय रहते अपना इमरजेंसी पैराशूट खोल दिया। यदि इसमें कुछ सेकंड की भी देरी होती तो हादसा जानलेवा साबित हो सकता था। इमरजेंसी पैराशूट खुलने के बाद उनकी गिरने की रफ्तार धीमी हो गई।

इसके बाद पुलिस हेलीकाप्टर की मदद से उनका रेस्क्यू किया गया और सुरक्षित स्थानीय एयरपोर्ट पहुंचाया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में उन्हें केवल चोटें और शरीर पर कई जगह खरोंचें आईं। गंभीर हादसे के बावजूद उनकी जान बच गई। हादसे के बाद सबरीना ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए लिखा कि उन्हें अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि वे जीवित हैं। उन्होंने कहा कि कुछ चोटों और दर्द के अलावा उन्हें कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। वहीं विमान उड़ा रहे 28 वर्षीय पायलट ने दावा किया कि वह इस टक्कर को टाल नहीं सकता था। अधिकारियों के अनुसार विमान भी सुरक्षित रूप से एयरपोर्ट पर उतर गया। यह घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग इसे किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहे हैं। इससे पहले भी यूरोप में पैराग्लाइडिंग के कई हादसे सामने आ चुके हैं।

ईरान के तेल कारोबार पर अमेरिकी शिकंजा

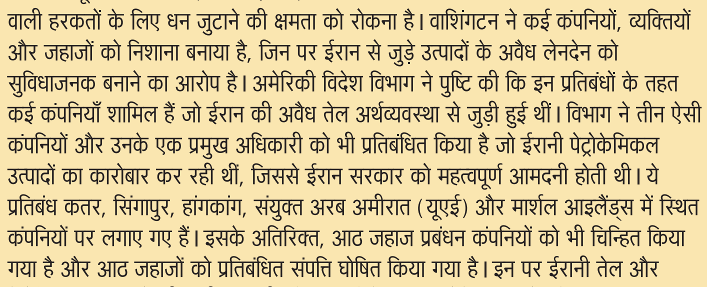

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल कारोबार पर एक बड़ा और नया प्रतिबंध पैकेज लागू कर दिया है। इसका उद्देश्य ईरान की सैन्य गतिविधियों और क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने वाली हरकतों के लिए धन जुटाने की क्षमता को रोकना है। वाशिंगटन ने कई कंपनियों, व्यक्तियों और जहाजों को निशाना बनाया है, जिन पर ईरान से जुड़े उत्पादों के अवैध लेनदेन को सुविधाजनक बनाने का आरोप है। अमेरिकी विदेश विभाग ने पुष्टि की कि इन प्रतिबंधों के तहत कई कंपनियाँ शामिल हैं जो ईरान की अवैध तेल अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई थीं। विभाग ने तीन ऐसी कंपनियों और उनके एक प्रमुख अधिकारी को भी प्रतिबंधित किया है जो ईरानी पेट्रोकेमिकल उत्पादों का कारोबार कर रही थीं, जिससे ईरान सरकार को महत्वपूर्ण आमदनी होती थी। ये प्रतिबंध कतर, सिंगापुर, हांगकांग, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और मार्शल आइलैंड्स में स्थित कंपनियों पर लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, आठ जहाज प्रबंधन कंपनियों को भी चिन्हित किया गया है और आठ जहाजों को प्रतिबंधित संपत्ति घोषित किया गया है। इन पर ईरानी तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की खरीद, बिक्री और ढुलाई में शामिल होने का आरोप है।

डेस्परेट हाउसवाइव्स की स्टार ईवा लोंगोरिया का खुलासा

आज तक नहीं देखा अपना ही सुपरहिट शो

फैंस की सलाह को भी किया दरकिनार

दो बार स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड अवार्ड से हो चुकी हैं सम्मानित

लास एंजेलिस

हालीवुड अभिनेत्री ईवा लोंगोरिया ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया है कि उन्होंने आज तक अपना बेहद लोकप्रिय धारावाहिक डेस्परेट हाउसवाइव्स नहीं देखा है। वर्ष 2004 से 2012 तक प्रसारित हुए इस चर्चित शो में ईवा ने गैब्रिएल सोलिस का मुख्य किरदार निभाया था, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान दिलाई।

इस शो में उनके बेहतरीन अभिनय को दर्शकों ने बेहद पसंद किया था, जिसके लिए उन्हें दो बार स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया और साथ ही गोल्डन ग्लोब अवार्ड के लिए भी नामांकित किया गया था। एक पाडकास्ट में बातचीत के दौरान ईवा ने कहा कि आजकल लोग इस शो को दोबारा देख रहे हैं और यह आनलाइन स्ट्रीमिंग मंचों पर काफी लोकप्रिय हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई प्रशंसक उन्हें भी यह शो देखने का परामर्श देते हैं, परंतु वह हमेशा इसके लिए मना कर देती हैं। ईवा के अनुसार, चूंकि वह स्वयं इस धारावाहिक का हिस्सा रही हैं और इसकी मेकिंग को करीब से देखा है, इसलिए उन्हें इसे एक दर्शक के रूप में देखने की आवश्यकता कभी महसूस नहीं हुई। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने केवल वर्तमान में ही नहीं, बल्कि उस समय भी इस शो को नहीं देखा था जब यह पहली बार टेलीविजन पर प्रसारित हो रहा था, क्योंकि वे कभी अपना काम बैठकर नहीं देखतीं। इस धारावाहिक में ईवा के अतिरिक्त टेरी हैचर, फेलिसिटी हफमैन, मार्सिया क्रास और निकोलेट शेरिडन जैसे कई नामचीन कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। यह शो कुल 180 कड़ियों तक चला और अपने समय के सबसे सफल टेलीविजन कार्यक्रमों में शुमार रहा।

जब उनसे इस शो के नए संस्करण (रीबूट) के निर्माण को लेकर प्रश्न पूछा गया, तो ईवा ने बताया कि शो के निर्माता मार्क चेरी वर्तमान में इसे दोबारा शुरू करने के पक्ष में बिल्कुल नहीं हैं। उनके अनुसार, शो के सभी मुख्य किरदारों की कहानियों को पहले ही पूरी तरह से विस्तार से दिखाया जा चुका है, इसलिए उसी काल्पनिक दुनिया को फिर से सृजित करना सरल नहीं होगा। ईवा ने बदलते दौर के टेलीविजन पर टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि पहले के धारावाहिकों में वर्षभर में लगभग 24 कड़ियां बनाई जाती थीं, जबकि आजकल के अधिकांश शो केवल 6 या 8 कड़ियों तक ही सीमित रह गए हैं।

चीन में बने स्मार्ट वाहन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

दो डेमोक्रेटिक सांसदों ने अमेरिका आने से इन्हें रोकने किया बिल पेश

वाशिंगटन

अमेरिका के दो डेमोक्रेटिक सांसदों ने चीन से जुड़ी गाड़ियों को कनाडा और मैक्सिको के रास्ते अमेरिका आने से रोकने के लिए बिल पेश किया। उनकी ओर से चेतावनी दी गई कि ये गाड़ियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं और अमेरिकी आटो उद्योग के लिए भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस बिल से चीन और अन्य विरोधी देशों से आने वाले कनेक्टेड वाहनों को अमेरिका में आने से रोक दिया जाएगा, जिसमें चीन में बने या चीनी कंपनियों की ओर से बनाए गए वाहन भी शामिल हैं।

हेली स्टीवंस ने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को अमेरिकी ड्राइवरों, सड़कों या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के बारे में संवेदनशील जानकारी तक कभी भी पहुंच नहीं मिलनी चाहिए। यह बिल उन खतरनाक कमियों को दूर करता है, जिनके कारण अभी चीन कनेक्टेड वाहन कनाडा और मैक्सिको के रास्ते अमेरिका में आ पाते हैं। उन्होंने कहा कि यह बिल अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करने और मिशिगन के उन आटो-कर्मियों के साथ खड़े होने के बारे में है, जो दुनिया के सबसे बेहतरीन वाहन बनाते हैं।

उन्होंने बताया कि मैक्सिको बाजार में अब चीनी वाहनों की हिस्सेदारी लगभग 15 फीसदी है। उन्होंने कनाडा के जनवरी 2026 के चीन के साथ हुए व्यापार समझौते का भी जिक्र किया, जिसके तहत हजारों चीनी वाहनों पर लगने वाले शुल्क में भारी कमी आएगी। सांसदों ने कहा कि चीन से आने वाले कनेक्टेड वाहनों का खतरा अब उत्तर और दक्षिण तक पहुंच चुका है। स्लाटकिन ने कहा कि यह मुद्दा सिर्फ आर्थिक मामलों तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा, दोनों से जुड़ा मुद्दा है। हमें इन वाहनों को अपनी सीमाओं को पार करके हमारे समुदायों में प्रवेश करने से हर हाल में रोकना होगा।

उन्होंने कहा कि ये वाहन असल में पहियों पर चलते निगरानी तंत्र हैं। ये किसी भी ड्राइवर की सटीक लोकेशन का पता लगाने, पूरी वीडियो रिकार्डिंग करने और हमारे सैन्य ठिकानों सहित अन्य संवेदनशील बुनियादी ढांचों की मैपिंग करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। उन्होंने बताया कि यह कानून मेरी ओर से पेश किए गए, दोनों दलों के समर्थन वाले कनेक्टेड व्हीकल सिक्योरिटी एक्ट 2026 पर आधारित है। इसके तहत चीन में पूरी तरह से तैयार वाहनों को किसी भी रूप में भले ही वह सिर्फ एक दिन के लिए ही क्यों न हो, अमेरिका में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक यह बिल एक ऐसी प्रक्रिया का भी निर्धारण करेगा, जिसके तहत वाहन निर्माता उन वाहनों के लिए विशेष अनुमति मांग सकेंगे, जिन पर अन्यथा प्रतिबंध लगा होगा। इस तरह की कोई भी अनुमति सख्त शर्तों, पारदर्शिता की आवश्यकताओं और कांग्रेस की निगरानी के अधीन होगी। इसके लिए यूएस कस्टम्स एंड बार्डर प्रोटेक्शन को कानून लागू होने के 90 दिनों के अंदर इसे लागू करने के तरीके तय करने होंगे और बैन किए गए वाहनों की एक लिस्ट बनानी होगी। दोनों पार्टियों के पालिसी बनाने वालों ने लगातार यह चिंता जताई है कि आज के जमाने के वाहन कैमरे, सेंसर और इंटरनेट से जुड़े सिस्टम के जरिए बड़ी मात्रा में डाटा इकट्ठा करते हैं।

संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार, दुर्घटना की निष्पक्ष जांच हो : कमल मुनि कमलेश

संत व साध्वियों की अकाल मृत्यु पर श्रद्धांजलि सभा में व्यक्त किया रोष

बैंगलोर, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने पदयात्रा के दौरान एक संत एवं दो साध्वियों की सड़क दुर्घटना में हुई दर्दनाक अकाल मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि संत संस्कृति के सजग प्रहरी, आध्यात्मिकता के प्राण तथा मानवता के सच्चे श्रृंगार होते हैं। वे प्रभु के साक्षात्कार का मार्ग प्रशस्त करते हैं। ऐसे संतों की मृत्यु संपूर्ण आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति है।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह घटना मात्र एक दुर्घटना नहीं बल्कि गंभीर जांच का विषय है। उन्होंने केंद्रीय सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की।

मुनि कमलेश ने कहा कि जैन संत निस्वार्थ भाव से संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए समर्पित रहते हैं। वे गांव-गांव और घर-घर पदयात्रा कर आध्यात्मिक चेतना जागृत करने का कार्य करते हैं। ऐसा कार्य न तो सरकारें और न ही संसार की समस्त संपत्ति मिलकर कर सकती है।

उन्होंने कहा कि संत राष्ट्र और मानवता की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी कृपा और मार्गदर्शन से ही भारत विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। भौतिकवाद के इस युग में संतों का निर्माण होना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

राष्ट्र संत ने कहा कि पदयात्रा आध्यात्मिकता का प्राण, पर्यावरण संरक्षण की संजीवनी तथा स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्मों में पदयात्रा को विशेष महत्व दिया गया है। कांवड़ यात्रा, अमरनाथ यात्रा, वैष्णो देवी यात्रा, बाबा रामदेव तथा अन्य धार्मिक यात्राओं में आज भी लाखों श्रद्धालु पदयात्रा कर पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत का संदेश देते हैं।

उन्होंने कहा कि जो लोग पर्यावरण और समाज की रक्षा के लिए कार्य कर रहे हैं, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन का दायित्व है। यदि आवश्यक हो तो राजमार्गों पर पदयात्रा करने वाले संतों और साध्वियों को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

मुनि कमलेश ने कहा कि संविधान के अनुसार प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा करना सरकार का प्रथम कर्तव्य है। सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाएं और यातायात नियमों का उल्लंघन गंभीर चिंता का विषय हैं। संत समाज की सुरक्षा के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय सर्वधर्म संसद के अध्यक्ष एवं संस्थापक मुनि कमलेश ने बताया कि महंत सेवादास, ग्रंथी राजपाल सिंह, मौलाना अखलाक अहमद, फादर रेवरेंट पैट्रिक लामा सहित विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं ने भी इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए सरकार से संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो संत समाज चुप नहीं बैठेगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष सुमेर सिंह मुनोत, मंत्री रमेश बोहरा, भवनलाल बोहरा, प्रकाशचंद्र जामड़, नवीन जांगड़ा तथा भूरालाल बोहरा सहित अनेक श्रद्धालुओं ने दिवंगत संतों एवं साध्वियों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की।

अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच, नई दिल्ली द्वारा संतों की सुरक्षा एवं दुर्घटना की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर देशभर में सरकार को ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं। इसी क्रम में दिवाकर मित्र शाखा कर्नाटक की एक महत्वपूर्ण बैठक 31 मई को दोपहर 2 बजे बेंगलुरु स्थित सुरामन्यम कॉलोनी, मिल्क कॉलोनी में आयोजित की जाएगी, जिसमें आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

आंप्र मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का 1 जून को काकीनाडा दौरा

प्रजावेदिका और एनटीआर भरोसा पेंशन वितरण होंगे मुख्य आकर्षण

विजयवाड़ा/काकीनाडा, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू इस महीने की 1 जून को काकीनाडा जिले के तुनी निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करेंगे। इस पृष्ठभूमि में, प्रशासन तुनी मंडल के चामवरम गांव में मुख्यमंत्री के दौरे के लिए व्यापक और बड़े स्तर पर तैयारियां कर रहा है।

सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाले मुख्यमंत्री के इस दौरे के तहत चामवरम गांव में स्थापित की जाने वाली 'प्रजावेदिका' मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी। मुख्यमंत्री लोगों की समस्याओं को सीधे जानने के लिए विशेष समय आवंटित करेंगे। इसके साथ ही, राज्य सरकार द्वारा अत्यंत प्रतिष्ठित रूप से लागू किए जा रहे 'एनटीआर भरोसा' पेंशन वितरण कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री के कर-कमलों द्वारा की जाएगी, जिसे लेकर लाभार्थियों में भारी हर्ष देखा जा रहा है।

राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने जिला कलेक्टर एम.एन. हरेंद्र प्रसाद के साथ शनिवार को चामवरम गांव का दौरा कर जमीनी स्तर पर चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को मंच निर्माण और विशाल जनसभा में आने वाले लोगों के लिए बुनियादी सुविधाएं (जैसे पानी, छांव और पार्किंग) युद्ध स्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सुरक्षा के लिहाज से कोई चूक न हो, इसके लिए उन्होंने पुलिस अधीक्षक (एसपी) से पुख्ता इंतजाम करने को कहा।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तुनी निर्वाचन क्षेत्र में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के कार्यकर्ताओं में एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री के दौरे के हिस्से के रूप में पार्टी कैडर के साथ एक विशेष बैठक भी निर्धारित है, जिसके चलते निर्वाचन क्षेत्र के मुख्य नेता और कार्यकर्ता भारी संख्या में जुटने की तैयारी कर रहे हैं। इस दौरे को सफल बनाने की जिम्मेदारी पार्टी के स्थानीय नेतृत्व ने अपने कंधों पर ली है।

इस निरीक्षण और तैयारियों की निगरानी में प्रभारी एसपी राहुल मीना, संयुक्त कलेक्टर (जेसी) अपूर्वा भरत, पेद्दापुरम आरडीओ, डीएसपी तिलक, एसबी डीएसपी सत्यनारायण, इंटेलिजेंस डीएसपी ईश्वरुलु सहित अन्य राजस्व एवं पुलिस विभागों के अधिकारी शामिल रहे। इसके अलावा टीडीपी नेता मोथुकुरी वेंकटेश, मंडल पैक्स अध्यक्ष पोलिशेट्टी रामलिंगेश्वर राव और जिले के कई अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश सरकार ने एनटीआर भरोसा पेंशन के तहत 2,728 करोड़ रुपये किये जारी

विजयवाड़ा, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने शनिवार को जून महीने के लिए 'एनटीआर भरोसा' पेंशन योजना के तहत सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरित करने के लिए 2,728.67 करोड़ रुपये जारी किये हैं। इस योजना से राज्य भर के 62,34,445 लाभार्थी लाभान्वित होंगे।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), ग्रामीण गरीबी उन्मूलन और प्रवासी कल्याण मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने एक बयान में बताया कि इसके अतिरिक्त 5,606 नयी 'पति/पत्नी पेंशन' को भी मंजूरी दी गई है, जिसके लिए सरकार ने अलग से 2.24 करोड़ रुपये जारी किये हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी धनराशि एक जून, सोमवार की सुबह से सीधे लाभार्थियों के खातों में स्थानांतरित कर दी जायेगी।

मंत्री श्रीनिवास ने जानकारी दी कि नायडू के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के कार्यभार संभालने के बाद से अब तक एनटीआर भरोसा पेंशन पर रिकॉर्ड 65,886.57 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार बुजुर्गों और गरीबों के कल्याण को प्राथमिकता देती है और पेंशन का भुगतान हर महीने की पहली तारीख को सुनिश्चित किया जाता है।

गोशामहल पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का किया भंडाफोड़

एक गिरफ्तार, नकद और मोबाइल फोन जब्त

वेणुगोपाल शर्मा

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): गोशामहल थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से नकदी और मोबाइल फोन बरामद किया है।

29 मई 2026 को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर, गोशामहल थाने की पुलिस टीम ने बेगम बाजार, हैदराबाद स्थित मकान नंबर 14-7-366, नारायण भवन में छापेमारी की। इस दौरान अवैध क्रिकेट सट्टेबाजी गतिविधियों का संचालन करने के आरोप में वेणुगोपाल शर्मा उर्फ इडली वेणु (59 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया।

छापेमारी के दौरान आरोपी व्हाट्सएप और अन्य संचार माध्यमों के जरिए सक्रिय रूप से सट्टेबाजी का संचालन करते हुए पाया गया। पूछताछ के दौरान, उसने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर ''गोदावरी एसोसिएट्स'' के नाम से क्रिकेट और रेसकोर्स सट्टेबाजी आयोजित करने और विभिन्न बिचौलियों के माध्यम से सटोरियों से सट्टे की रकम वसूलने की बात कबूल की। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने सबूतों को नष्ट करने और छिपाने के प्रयास में सट्टेबाजी से संबंधित व्हाट्सएप चैट को डिलीट कर दिया था। आरोपी एक आदतन अपराधी है और पहले भी गोशामहल और चारमीनार थानों में दर्ज सट्टेबाजी के कई मामलों में शामिल रहा है। इस संबंध में अपराध संख्या 193/2026 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

ए-1) वेणुगोपाल शर्मा उर्फ इडली वेणु: पिता स्व. मदनमोहन शर्मा, उम्र: 59 वर्ष, पेशा: सट्टेबाजी आयोजक, निवासी: मकान नंबर 14-7-366, नारायण भवन, बेगम बाजार, हैदराबाद। (आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है)। आरोपी से एक वनप्लस नॉर्ड मोबाइल फोन (मोबाइल नंबर: 9396445500, आईएमईआई नंबर: 865276041897158) और कुल 3,000/- रुपये नकद बरामद किये गये।

ऑनलाइन सट्टेबाजी में शामिल सभी व्यक्तियों, जिनमें खिलाड़ी, आयोजक और प्रचारक शामिल हैं, के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

माता-पिता से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखें और उन्हें जुए से जुड़े गंभीर जोखिमों और कानूनी परिणामों के बारे में समझाएं।

आम जनता को दृढ़ता से सलाह दी जाती है कि वे किसी भी प्रकार की सट्टेबाजी या जुए की गतिविधियों में भाग न लें और ऐसी किसी भी अवैध गतिविधि के बारे में तुरंत पुलिस को सूचित करें।

यह कार्रवाई श्री जी. चंद्र मोहन (पुलिस उपायुक्त, गोलकुंडा जोन) और श्री के. चंद्रशेखर रेड्डी (एसीपी, गोशामहल डिवीजन) के पर्यवेक्षण में, गोशामहल पुलिस स्टेशन के स्टाफ की सक्रिय सहायता से की गई।

करीमनगर से पेद्दापल्ली डीआरओ के तौर पर ट्रांसफर होकर आईं राजेश्वरी ने कलेक्टर चैंबर में डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर से शिष्टाचार भेंट की।

तैह्वा एंटरप्राइजेज व अनन्याश्री फाउंडेशन ने आश्रम में किया सेवा कार्य

गौ सेवा, वैदिक शिक्षा संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का दिया संदेश

ग़ाज़ियाबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय सनातन संस्कृति, वैदिक परंपराओं एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैह्वा एंटरप्राइजेज, दक्षिण कोरिया एवं अनन्याश्री फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शंभूदयाल दयानंद वैदिक संन्यास आश्रम, गाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश) में एक विशेष सेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने गौ सेवा में सहभागिता की तथा सनातन धर्म में गौ माता के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय महत्व पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर विदेशी कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों को भारतीय संस्कृति में गौ संरक्षण एवं गौ संवर्धन की अवधारणा से भी परिचित कराया गया, जिससे वे भारतीय जीवन मूल्यों एवं परंपराओं को निकटता से समझ सकें। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीए-सआर) के अंतर्गत आश्रम में अध्ययनरत लगभग 100 वैदिक बटुकों के लिए एक वर्ष की राशन एवं खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। यह सहयोग वैदिक गुरुकुल परंपरा के संरक्षण, संवर्धन तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर अनन्याश्री फाउंडेशन ने भारतीय सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों एवं जीवन दर्शन को कॉर्पोरेट जगत एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। संस्था का उद्देश्य सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक संरक्षण एवं सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक मंच तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम में अनन्याश्री फाउंडेशन की ओर से सुश्री नेहा गुप्ता (ट्रस्टी एवं अध्यक्ष), डॉ. मनीष पांडेय (ट्रस्टी एवं महासचिव), वाई.के. गुप्ता (संगठन सचिव), मुकुल गुप्ता (सह-मनोनीत सदस्य) तथा सुश्री अनन्या पांडेय (एम्बेसडर) उपस्थित रहे। वहीं तैह्वा एंटरप्राइजेज की ओर से जिन वोन जंग (सीएफओ), हेमेन्द्र सिंह (एचआर प्रमुख), शांतनु घोष (लेखा प्रमुख) सहित अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधिगण कार्यक्रम में शामिल हुए।

इसके अतिरिक्त आश्रम के पूज्य संतगण, प्रबंधन समिति एवं आयोजन समिति के सदस्यों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

सभी वक्ताओं एवं उपस्थित जनों ने इस सहयोग की सराहना करते हुए इसे भारतीय संस्कृति, सेवा भाव एवं वैश्विक सामाजिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा कि यह पहल सेवा, संस्कार, संस्कृति एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के समन्वय का एक प्रेरणादायी प्रयास है, जो भारतीय सनातन मूल्यों को वैश्विक कॉर्पोरेट समुदाय से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

पूर्णिमा पर केबीआर पार्क में अन्नदान सेवा

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क पर पूर्णिमा के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा एवं मानवता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, हरीश जी, मनोज जी, कीर्ति जी, मधु जी एवं इतिशा जी सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित अन्नदान कार्यक्रम जरूरतमंदों के लिए आशा का संबल बन रहा है। समूह के सदस्यों ने सेवा को ही सच्ची भक्ति बताते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत ख़ुशी देगा। अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। आज आपका मन ख़ुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे ख़र्च करने का आनंद लेंगे। प्रेम हमेशा आत्मीय होता है और यही बात आप आज अनुभव करेंगे। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे- जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। इस राशि के जातक आज खाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा। अगर थोड़ी-सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन आपकी ज़िन्दगी के सबसे रोमानी दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आज जीवन के कई अहम मुद्दों पर आप घरवालों के साथ बैठकर बात कर सकते हैं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है। आपको कोई सरप्राइज़ मिल सकता है

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आज आपका धन कई चीजों पर खर्च हो सकता है, आपको आज अच्छा बजट प्लान करने की आवश्यकता है इससे आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे- साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। आपके मन में आज अपने किसी खास को लेकर निराशा रेहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। वाहन चलाते हैं तो आज थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आज के दिन का अच्छा प्रयोग आप उज्ज्वल भविष्य की योजना बनाने के लिए कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ऊर्जा और उत्साह का अतिरेक आपको घेर लेगा और आप सामने आने वाले सभी मौक़ों का भरपूर फ़ायदा उठाएंगे। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। जीवनसाथी के साथ ख़रीदारी मज़ेदार रहेगी। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज खाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। आपके जीवनसाथी की सुस्ती आपके कई कामों पर पानी फेर सकती है। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खाते-पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तली-भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 मई 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा दोपहर 02:17 तक
नक्षत्र : अनुराधा सायं 04:12 तक
योग : सिद्ध अहोरात्र
करण : बव दोपहर 02:17 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:41,सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड़ खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अधिक मास पूर्णिमा पुण्य , गण्डमूल सायं 04:12 से , अधिक मास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भगवती त्रिपुर भैरवी

Ö»ßÇÌ दुर्गा के अनंत नामों में से एक नाम महाविद्या है। वस्तुत: एक ही शक्ति अलग-अलग रूपों में अवतरित होकर अनेक प्रकार की लीलाएं करती है। आगमों की उपासना पद्धति में विशेष रूप से भगवति का त्रिपुर भैरवी नाम सर्वाधिक प्रतिष्ठित है। महाभागवत देवी पुराण में माता त्रिपुर भैरवी का विस्तृत वर्णन मिलता है। माहेश्वरी त्रिपुर भैरवी को त्रिपुर सुंदरी एवं षोडसी नाम से भी साधना की जाती है। शत्रुओं का दमन करने वाली, त्रिजगत को धारण करने वाली ये माताएं महाकाली के ही स्वरूप हैं। वाराही पुराण में वर्णित है कि ब्रह्मा, विष्णु व स्वयं शिव ने भी इनकी आराधना की थी। इसी लिए इनका नाम त्रिपुरा पड़ा।

साधना के लाभ

त्रिपुर भैरवी की कृपा से साधक सिद्ध हो जाने पर समस्त प्रकार की सिद्धयां प्राप्त कर लेता है। उसकी सभी इच्छाएं व कामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। इससे साधक स्वयं ही आश्चर्यचकित रह जाता है। वह समस्त ज्ञान-विज्ञान व मंत्र विद्या में पारंगत होकर एक आद्वितीय पुरुष व तेजस्वी पुरुष बन जाता है। उसे भूतकाल व भविष्य का ज्ञान होने लगता है।

दक्ष-नारद संवाद

देवी पुराण में कथा आती है कि एक बार ब्रह्मा पुत्र दक्ष प्रजापति ने यज्ञ का आयोजन किया। हुआ यूं कि एक बार नारद जी दक्ष प्रजापति के पास पहुंचे और बोले, 'प्रजापते, आप जिन महेश्वर की प्रतिदिन निंदा करते हैं, वह उससे क्रोधित होकर जो करना चाहते हैं, उसे आप सुन लीजिए, वह अपने भूतगणों के साथ आपके निकट आकर आपको नष्ट कर देंगे। आपसे स्नेह के कारण ही मैंने आपको सारी बात बताई है। इसे आप कभी किसी पर प्रकट न करें।' ऐसा कह नारद जी आकाश मार्ग से अपने स्थान लौट गए।

इधर, दक्ष ने अपने मंत्रियों को बुलाकर समस्या उनके सामने रखी। तब मंत्री बोले, 'हे प्रजापति, हम देवाधिदेव शिव की इस अनीति का कारण नहीं समझा पा रहे। आप तो बुद्धिमानों में श्रेष्ठ व सभी शास्त्रों के ज्ञाता हैं। आप ही कोई मार्ग सुझाएं।' तब दक्ष ने कहा, 'शमशान में निवास करने वाले भूतों के आधिपति शिव को छोड़कर आप सभी देवताओं को बुलाकर मैं यज्ञ का आयोजन करूंगा। समस्त विघनों का नाश करने वाले यज्ञेश्वर भगवान विष्णु को यज्ञ का संरक्षक बनाकर इसे सफलता पूर्वक संपन्न करवाउंगा। इस प्रकार पुण्य यज्ञ का आरंभ हो जाने पर भूतपति शिव मेरे पुण्यकर्मयुक्त नगर में कैसे आ पाएंगे?'

कैसे करें आराधना

त्रिपुर भैरवी की आराधना का समय रात्रि काल है। मंदिर में या किसी एकांत कमरे में आम से बना हुआ तथा लाल रंग से रंगा हुआ सिंहासन स्थापित करें। इस पर लाल वस्त्र बिछाकर भगवती त्रिपुर भैरवी का चित्र या मूर्ति स्थापित करें। धूप-दीप जलाएं। स्वयं भी लाल वस्त्र पहनें, लाल रंग के फूलों का इस्तेमाल ही करें। फिर ध्यान मंत्र, मूल मंत्र व कवच मंत्र का पाठ करें।

मूल मंत्र- ॐ हस्त्रीं त्रिपुर भैरव्यै नम: मां के इस मंत्र का जाप 81 दिन में 5 लाख संपन्न करें। जप समाह्श्वत होने पर दशांश हवन करें। हवन के बाद आरती विसर्जन करें। 41 कन्याओं को मीठा भोजन करवाएं। साधना सिद्ध होने पर त्रिपुर भैरवी स्वयं आशीर्वाद देती हैं।

किसी प्रेम को, आस्था को या समर्पण को जानना है, तो मीरा को जानना होगा। मीरा को जानना मोहन को पाने के बराबर है। कारण इसका यह भी है कि एक स्तर पर आकर उनका आपस का भेद ही खत्म हो जाता है...

मीरा और मोहन

कृष्ण को जानना हो, तो मीरा को सेतु बनाओ, क्योंकि मीरा के अलावा दूसरा कोई सेतु नहीं जो कृष्ण की थाह पा सके। भक्त हर युग में हुए, मगर मीरा जैसा भक्त किसी युग में दूसरा नहीं हुआ। मीरा की कृष्ण भक्ति के आगे दुनिया की हर भक्ति फीकी दिखाई पड़ती है। मीरा कृष्ण जी की मूर्ति के सामने खड़ी होकर कहती हैं- 'मैं तो सिर्फ इस योग्य हूं कि तुम्हारे गीत गा सकूं। इसके अलावा मुझमें दूसरा कोई गुण नहीं है।

'जहां बैठाने तित ही बैठूं, बेचे तो बिक जाऊं।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, बार-बार बलि जाऊं।'

अर्थात- अब तो मेरा जीवन उसी की आज्ञा के जैसा चलता है। जहां बिठा देता है, वहीं बैठ जाती हूं। उठने को कहता है, तो उठ जाती हूं। मेरे तो प्रभु कृष्ण कन्हैया हैं, जिन पर जीवन बलिहारी है।

परमात्मा के प्रति मीरा की दीवानगी इस हद तक थी कि उन्हें दुनिया में कृष्ण के अलावा कुछ दिखाई ही नहीं देता था। वह कहती हैं, संतों के संग बैठ बैठ कर वह जो लोक लाज का व्यर्थ आड बर था, बोझ था वह सारा मैंने उतार दिया है। संत के संग बैठ कर भी अगर लोग लाज न खोई, तो संत से या सीखा?

कौन थीं मीरा?

मीरा कृष्ण की दीवानी थी, ऐसा सारा संसार जानता है। मगर उनकी पृष्ठभूमि को जानना भी बहुत जरूरी है। मीरा का जन्म राठौर परिवार के रत्न सिंह और वीर कुंवरी के घर 1512 में मेड़ता में हुआ था। मीरा के दादा का नाम राव द्दा जी था, जो अत्यंत धनाड्य थे। मीरा की माता वीर कुंवरी झाला राजपूत सुल्तान सिंह की बेटी थी। रत्न सिंह ने कुड़की गांव को अपना केंद्र बनाया था। मीरा ने गुरु गजाधर से शिक्षा ग्रहण की। उन्हें अपनी आजीविका के लिए सात हजार बीघा जमीन दे रखी थी और उन्हें व्यास की पद्वी से विभूषित किया था। मीरा की एक बाल सखी थी ललिता, जो वास्तव से उसकी दासी थी। एक बार मीरा महल के ऊपर खड़ी थी। नीचे से एक बारात जा रही थी। बाल सुलभ मीरा ने मां से पूछा कि यह क्या हो रहा है? मां ने बताया कि बारात जा रही है। मीरा के यह पूछने पर कि बारात क्या होती है? मां ने कहा कि वर पक्ष के लोग कन्या के घर पर उसे विवाह कर लातें है और विवाह में वर का किसी कन्या के साथ विवाह होता है। उसने मां से पूछा कि मेरा वर कौन होगा? इतने में कुल पुरोहित श्रीकृष्ण की एक मूर्ति लेकर आए और मां ने मजाक में कह दिया कि यह है तेरा वर। और मीरा ने श्रीकृष्ण को अपना वर मान लिया।

जब मीरा की शादी हुई

मीरा जब शादी के योग्य हुईं, तो माता-पिता ने उनका रिश्ता राजकुंवर भोजराज से कर दिया। भोजराज चितौड़ नरेश राणा सांगा के पुत्र थे। मीरा ने इसे अपनी दूसरी शादी करार दिया। राजघराने की बहू बनने के बाद भी वह हर वक्त श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन रहने लगीं। मीरा की एक देवरानी थी अजब कुंवरी, जो बाल विधवा थी। उसने मीरा की भावनाओं को समझ लिया तथा उसे सखी जैसा प्यार देने लगी। दूसरी तरफ उसकी ननद ऊदो ने बड़ी कोशिश की कि मीरा कृष्ण भक्ति छोड़ दें, मगर असफल रहीं।

राजकुंवर भोजराज की असमयिक मृत्यु हो गई। प्रथा के अनुसार पति की मृत्यु पर पत्नी को सती हो जाना था, मगर मीरा ने सती होने से इंकार कर दिया। सभी लोग चाहते थे कि मीरा सती हो जाए, मगर भोजराज का छोटा भाई मीरा के पक्ष में खड़ा हो गया और वह सती होने से बच गईं।

जब मीरा पर अत्याचार हुए

उसी समय बाबर ने भारत पर आक्रमण कर दिया। राणा सांगा और बार में भीष्ण युद्ध हुआ, तो मीरा के पिता रत्न सिंह और भाई जलमल तथा अन्य रिश्तेदार राणा सांगा के साथ खड़े हो गए। मगर युद्ध में मारे गए, जिससे मीरा बहुत आहत हुईं। राणा सांगा भी मारा गया, तो चित्तौड़ की गद्दी पर राणा रत्न सिंह और उसके बाद विक्रम सिंह बैठे। विक्रम सिंह की बुरी नजर मीरा पर पड़ गई। उसने मीरा को प्राप्त करने का हर संभव प्रयास किया, मगर उसके इंकार करने पर वह मीरा से बदला लेने की सोचने लगा।

जन्माष्टमी के दिन राजा विक्रम सिंह ने मीरा को एक उपहार पेटिका भेजी, जिसमें काला भयंकर सांप था। मीरा ने पेटिका खोली, तो उस सांप को देखते ही पकड़ लिया। उसे कुछ नहीं हुआ। इतना ही नहीं, एक बार मीरा को धोखे से श्रीकृष्ण का चरणामृत कहकर विष भेजा गया। मीरा विष पीकर भी जिंदा रहीं। तब क्रोधित विक्रम सिंह ने मीरा पर तलवार से हमला किया, तो उसे एक साथ चार-चार मीरा नजर आने लगीं। आखिरकार मीरा अपने ताया के पास मेड़ता चली गईं, ताकि उसके अत्याचारों से बच सके। वह मथुरा वृंदावन भी गईं। और वहां के रणछोड़ जी के मंदिर में अपने बनाए भजन गाया करती थीं।

मीरा समुद्र की लहरों में समा गई

उधर राणा विक्रम अभी भी मीरा के पीछे पड़ा था। उसने पुरोहितों को मीरा के पास भेजा कि राणा बदल गया है। उसने यह भी कहलवा दिया कि अगर वह न लौटीं, तो वह आमरण अनशन करेगा। मीरा ने समझ लिया कि अब प्रभु मिलन का समय आ गया है। वह समुद्र की लहरों की ओर बढ़ने लगीं और इस तरह 1573 में वह समुद्र की लहरों में समा गईं।

व्यवसाय में उन्नति के लिए करें यह आसान उपाय

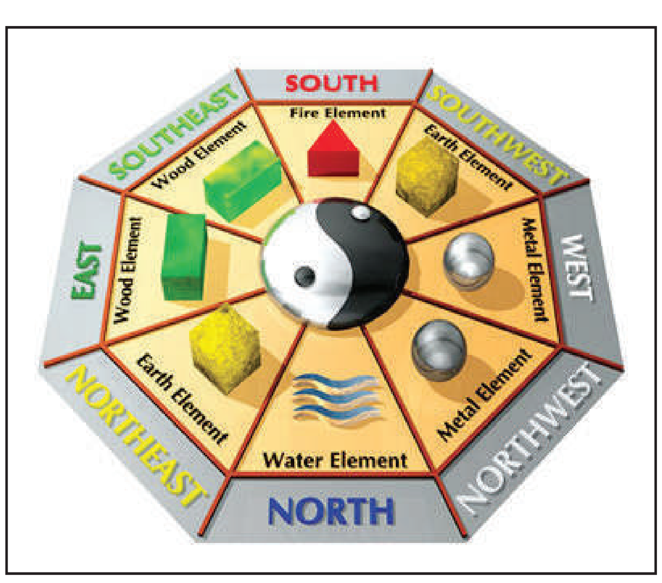

सभी चाहते हैं कि उनके व्यापार में उन्नति हो और वे सफलता की सीढियां चढ़ते जाएं। लेकिन व्यापार में भी उतार-चढ़ाव आता रहता है यदि आप चाहते हैं कि आपका व्यापार-व्यवसाय लगातार तरक्की करता रहें तो यहां कुछ विशिष्ट उपायों का विवरण दिया जा रहा है, जो अलग-अलग राशियों से संबंधित हैं।

मेष राशि: -मेष राशि वाले व्यवसाय स्थल पर कांच या मिट्टी के पात्र में जल भरकर रखें। कांच के बर्तन में थोड़ा पानी डालकर पांच सफेद फूल रखें। पानी बदलते रहें। लोहे, स्टील या अन्य धातु, वॉटर कूलर, जग में पीने का पानी भरकर नहीं रखना चाहिए। मीठा खाकर जल पीकर प्रस्थान करना शुभकारी है।

वृष राशि: - वृष राशि वाले व्यवसाय स्थल पर चमकीले एवं हल्के रंगों का प्रयोग कर साज-सज्जा करें। दरवाजे के सामने के बजाए किसी कोने में बैठने का स्थान होना चाहिए।

मिथुन राशि:- मिथुन राशि वाले हरे पत्तों सहित फूल लाकर अपनी दुकान या संस्था के ऑफिस में रखें। उत्तर या पूर्व की दीवार पर डॉल्फिन या पेंडुलम घड़ी अवश्य लगाएं। संस्थान के बाहर पांच हरे पौधे लगाएं। कार्यालय में आवाज करने वाला कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण न रखें।

कर्क राशि:- कर्क राशि वाले किसी पवित्र नदी या सरोवर का जल कांच के पात्र में भरकर दुकान के पूजाघर में रखें। इसके आलावा कार्यसिद्धि यंत्र अपने पूजा घर में रख प्रतिदिन दर्शन करें। पूर्णिमा को अपनी दुकान के प्रवेश द्वार के दोनों ओर कुछ गंगाजल अवश्य छिड़कें।

सिंह राशि:- सिंह राशि वाले अपने व्यवसाय स्थल में इस प्रकार बैठना चाहिए कि बाहर से व्यक्ति का मुंह दिखाई न पड़े। अष्टमी के दिन मिट्टी का शेर मंदिर में चढ़ाना चाहिए। लोहे या किसी भी धातु के फर्नीचर का प्रयोग बहुत कम करना चाहिए।

कन्या राशि:- कन्या राशि वाले व्यापार शुरू करने से पहले दुर्गा चालीसा का पाठ करें। लकड़ी का फर्नीचर प्रयोग में लाएं। इसके आलावा व्यवसाय स्थल के सम्मुख गाय को हरा चारा या पालक खिलाएं।

तुला राशि:- तुला राशि वाले जातकों को संस्थान के मध्य भाग में बैठना चाहिए। सात श्रीफल लाल वस्त्र में बांधकर कार्यस्थल की अलमारी में रख दें। उस अलमारी में अन्य सामान नहीं होना चाहिए। शक्रवार के दिन से शुरू कर सुगंधित पुष्प लाकर पूजा घर में चढ़ाने चाहिए। मां दुर्गा के दर्शन कर फिर दुकान खोलें। दुकान में सजावट व स्वच्छता का बहुत ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि:- वृश्चिक राशि वाले अपने व्यवसाय स्थल के मुख्य द्वार के दोनों ओर सिंदूर से स्वस्तिक बनाएं। दुकान के मंदिर में प्रथम मंगलवार, शनिवार को लाल पुष्प चढ़ाएं। कार्यस्थल पर आते समय किसी पूज्य व्यक्ति के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेकर आएं। प्रत्येक मंगलवार गंगाजल लेकर दुकान के सभी कोनों में फूल द्वारा छिड़कें।

धनु राशि:- धनु राशि वाले कोष स्थान पर सफेद चंदन की लकड़ी हल्के गुलाबी रंग के कपड़े में लपेटकर रखें7 दुकान के मंदिर में गाय के दूध से बने घी में छोटी इलायची डालकर दीपक जलाएं।

पीठ पीछे पूजा घर न बनाएं। मुख्य द्वार के सामने न बैठें। गुरुवार के दिन पीले फूल मंदिर में चढ़ाएं। गाय को रोटी-गुड़ खिलाएं।

मकर राशि: - मकर राशि वाले घोड़े की नाल मुख्य द्वार पर शाम के समय पीपल वृक्ष को छुआकर लगाएं। व्यापार बहुत मंदा हो गया हो तो शनिवार को मिट्टी के घड़े पर ढक्कन लगाकर, टेप से बंद कर दुकान में रख दें। बुधवार प्रात: काल उसे बहते जल में बगैर ढक्कन खोले प्रवाहित कर दें।

कुंभ राशि:- कुम्भ राशि वाले कार्यस्थल में इस प्रकार बैठें कि आगे का स्थान खुला हो। कोई कोना या बंद दरवाजा न हो। शनिवार को मिट्टी के कुल्हड़ में मिट्टी का ढक्कन रखें। उस ढक्कन में 250 ग्राम काले तिल रखें तथा अगले दिन वह कुल्हड़ तिल सहित किसी को दान कर दें या पीपल पर रख आएं। सजावट में लाल व सफेद रंग का प्रयोग न करें। शनिवार को दुकान पर आए भिखारी को खाली हाथ न लौटाएं।

मीन राशि:- मीन राशि वाले कार्यस्थल पर जाने से पूर्व पूज्य व्यक्ति के चरण स्पर्श व कार्यसिद्धि यंत्र के दर्शन कर घर से निकलना चाहिए। गुरुवार को पीला फल लाकर कार्यस्थल के पूजाघर में रखें, दूसरे दिन उसे किसी भिखारी को दान दें।

गुरुवार के दिन कार्यस्थल पर आए हुए साधु को दान अवश्य दें। सफेद चंदन को पीले वस्त्र में बांधकर नवरात्र की नवमी को दुकान की तिजोरी में रखें। बुधवार को पीला पपीता खिलाएं।

ज्योतिष विद्या और मै

ज्योतिष शास्त्र एक ऐसी विद्या है जो पूर्णरुपेन भगवत अराधना और दया से ही प्राप्त हो सकती है। मैने अपने जीवन की आधी सदी बस ये जानने में बिता दिया कि ज्योतिष शास्त्र आखिर है क्या? ये बहुत ही गुढ़ विद्या है, जो हर असम्भव को सम्भव कर सकता है। भूत,वर्तमान और भविष्य त्रिकालों का जानकार ही एक सच्चा ज्योतिष होता है।वो महाकाल त्रिकालदर्शी शिव सा तेज वाला कालपुरुष होता है।आज कल के निम्नस्तरीय वातावरण में ज्यों ही हमारे कानों में ज्योतिष शब्द आता है, हम सोच लेते है एक चंदन धारी, धोती पहने एक बुजुर्ग की छवि।पर ज्योतिष का जानकार इन्ही रुपों का संवाहक हो ऐसा जरुरी नहीं। आजकल युवाओं का रुझान इस विद्या की ओर देखने को मिला है ,जो ये साबित करता है कि अब भी हमारा देश विवेकानंद के सपनों को साकार करने में जागरुक है।मै स्वयं एक युवा ज्योतिष हूँ, मैने मात्र 20 साल की उम्र से ही इस विद्या का प्रहरी हूँ।रात दिन सुबह शाम एक करके आज 20 सालों बाद भी ऐसा लगता है कि मैने कुछ नहीं सीखा, मै कुछ नहीं जानता।ज्योतिष शास्त्र अनंत है।धन्य है हमसब जो ऐसी विद्या के सागर के दो बूँद से जनकल्याण हेतु दो बूँद उपयोग में लाते है।

ज्योतिष शास्त्र एक दैविक विद्या है और साथ में एक ऐसा मार्गदर्शक कि जन्मपत्री का सही गणित करके भविष्य वाचन किया जाये तो आगे का मार्ग शुभ, अशुभ का पता चल जाता है। ज्योतिष एक महान विद्या है, वही उसका दुरुपयोग भी बहुत हो रहा है। एक दो छोटी मोटी पुस्तकों को पढ़ ज्योतिष बनना कठिन है। किसी इष्ट की सहायता से ही एक सार्थक फलित वाचक ज्योतिष बना जा सकता है। भगवत दया से निरंतर मै अपने विचारों से आपसबको को रुबरु कराऊँगा,यूँही मेरा साथ दे...

वास्तु सूत्र

आपका व्यवसाय निरंतर प्रगति करता रहे इसके लिए यदि आप चाहें तो निम्न सूत्रों का प्रयोग कर सकते हैं।

- व्यावसायिक स्थल का उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र (ईशान कोण) हमेशा साफ-सुथरा और खाली रहे। यहां पूजाघर बनाएं या पेयजल की व्यवस्था कर सकते हैं।
- व्यावसायिक स्थल के मालिक दक्षिण दिशा में इस प्रकार बैठें कि उनका मुंह उत्तर या पूर्व दिशा की ओर रहे।
- ग्राहकों को हमेशा वायव्य या पश्चिमी दिशा में बिठाएं या खड़ा रहने दें।
- वह सामान जो काफी समय से स्टॉक में है, बिक नहीं रहा है उसे उत्तर-पश्चिम की तरफ रखें।
- भारी सामान, भारी मशीनरी, कबाड़ इत्यादि को दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य) में रखें।
- व्यवसाय स्थल के मुख्य द्वार के सामने कोई खंभा, बड़ा पेड़, बिजली का ट्रांसफॉर्मर इत्यादि नहीं हो। यदि ऐसा है तो मुख्य द्वार के बाहर उत्तल अथवा बगुआ दपर्ण इस प्रकार लगाएं कि इनका प्रतिबिंब दर्पण में दिखे।
- मुख्य द्वार के ऊपर बाहर या अंदर की ओर देखते हुए गणेशजी की प्रतिमा, अपने ईष्ट देव या धार्मिक प्रतीक चिह्न लगाएं।

अनेकानेक बाधाओं से मुक्ति मात्र सिर्फ एक उपाय से.....

कर्म करना एक तरह से मानव जीवन की विवशता ही है, क्यों कि किए गए कर्मों से ही प्रारब्ध का निर्माण होता है. भाग्य पूर्व के संचित कर्मों तथा वर्तमान जीवन के किए गए कर्मों के मिश्रण का ही रहस्यमयी अंश है.

इसलिए अधिकतर लोग अपने-अपने क्षेत्रों में सफलता के चरम को छूने के लिए निरन्तर संघर्षशील रहते हैं, लेकिन इनमें से बहुत कम ही अपने सपनों को हकीकत में बदल पाते हैं. एसी मान्यता है कि प्रकृति केवल योग्य 'प्रारब्ध' का ही स्वागत करती है. यहाँ योग्य शब्द विज्ञान के किसी भी तर्क तथा मानव बुद्धि की सीमा से बाहर है. 'योग्यता' के बीज कर्मफल में ही छिपे रहते हैं और इन बीजों में लुप्त रहतपनी चेतना में समेटे आत्मा इस शरीर में जन्म लेती है.

किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में वरदान धनयोग, राजयोग, महापुरूष योग आदि कई प्रकार के योगों के रूप में उभरता है तथा अपनी दशा अनुसार व्यक्ति की दृष्टि, बुद्धि, विवेक तथा पुरूषार्थ को सफलता, सम्पन्नता, एश्वर्य, सुख तथा यश-मान, प्रसिद्धि की ओर अग्रसर करता है.

दूसरी ओर किसी की जन्मकुंडली में श्राप अद्भुत रूप से उसके जीवनकाल में किए जा रहे क्रियामान प्रयत्नों(कर्मों) में अवरोध, निराशा, हताशा व दु:ख का विष घोलता रहता है.

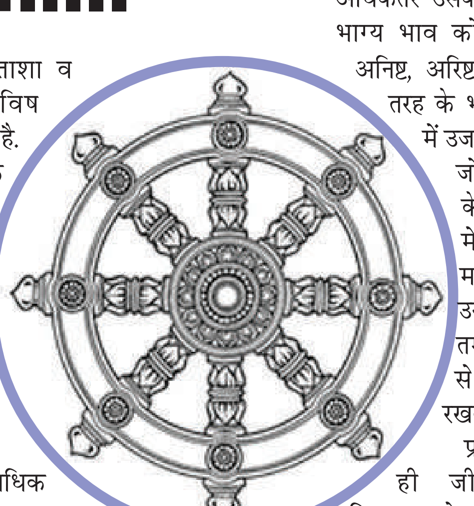

यही एक जटिल रहस्य है, जो हमें बताता है कि क्यों हममें से कुछ लोग औरों की अपेक्षा अधिक भाग्यशाली, सफल व सुखी जीवन व्यतीत कर रहे होते हैं, कुछ थोडे से प्रयत्न से ही अचानक सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ जाते हैं-जब कि कुछ अत्यधिक संघर्ष के बावजूद दयनीय तरीके से विफल रहते हैं. किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में ये श्राप अधिकतर उसके कर्म एवं भाग्य भाव को बाँधकर अनिष्ट, अरिष्ट तथा तरह तरह के भय के रूप में उजागर होते हैं, जो उस व्यक्ति के इच्छा क्षेत्र में खलबली मचाए हुए उसे संसार के तमाम सुखों से वंचित रखते हैं.

प्रारब्ध भले ही जीवन की विवशता हो, परन्तु पूर्व जन्म के अधिकतर दोषों, अपराधों यथा किन्ही श्राप आदि से व्यक्ति उपासना, प्रायश्चित कर्म के माध्यम से मुक्ति अवश्य प्राप्त कर सकता है.

पूर्वजन्मकृत किसी श्रापादि जन्य दुष्प्रभाव से मुक्ति का सहज उपाय :-

प्रत्येक महीने में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि, जिसे कि मास-शिवरात्रि भी कहा जाता है.

वर्षप्रयन्त यदि उस दिन उपवास रख, शिवलिंग पर चन्दन, जल, दूध, शहद,व बेलफल अर्पित करने तथा स्व इच्छित संख्या में ' ए ह्रीं नम: शिवाय ह्रीं ? ' का जाप किया जाए. तत्पश्चात त्रिधातु (सोना, चाँदी, ताँबा मिश्रित) काल्ला अनामिका अंगुली में धारण करें एवं रात्रि समय सोने से पूर्व कुछ समय जाने अनजाने में किए गए किन्ही अपराधों की क्षमाप्रार्थना कर श्री महामृत्युंजय मन्त्र का जाप किया जाए तो पूर्वजन्मकृत कई प्रकार के दोषों से सहज ही मुक्ति प्राप्त की जा सकती है.

बच्चों में त्वचा संबंधी दिक्कतें

बच्चों की त्वचा इतनी नाजुक होती है कि हल्की-सी खरोंच या रैश उन्हें बहुतही परेशानी वाली स्थिति में डाल देती है। याद रखें कि नवजन्मे बच्चों में रैशेज का खतरा अधिक रहता है। ऐसे रैशेज में से अधिकतर नुकसानदायक नहीं होते और कुछेक दिनों के अंतराल पर चले जाते हैं, फिर भी बच्चों की त्वचा संबंधी कुछ समस्याएं हैं जिन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

इस अपरिहार्य समस्या के कारण बच्चे को और माता-पिता को रात भर जागना पड़ सकता है। बच्चे के डाइपर वाले हिस्से की अक्सर जांच करते रहना पड़ती है। यदि वहां पर लाली महसूस हो तो तुरन्त डाइपर रैश क्रीम लगाएं और उस हिस्से को जितना संभव हो सके खुला और सूखा रखें। इस बात को तय करें कि डाइपर न तो बहुत ढीला हो और न ही इसे बच्चे को लंबे समय तक पहनाया जाए। जब जरूरत समझें तब इसे बदल दें।

मुहांसे: बच्चे के चेहरे पर दिखने वाले छोटे-छोटे मुहांसे एक बहुत ही आम समस्या है और ये कुछ ही दिनों में चले जाते हैं। इन पर कुछ भी लगाने से पूरी तरह परहेज करें।

बर्थ मार्क्स: बर्थ मार्क्स बच्चों में बहुत ही आम होते हैं। जब बच्चा पैदा होता है तब और जन्म के कुछ हफ्तों या महीनों तक ये निशान रह सकते हैं।

एग्जीमा: जिन बच्चों के परिवार में अस्थमा या एलर्जी की हिस्ट्री होती है, उनमें खुजली पैदा करनेवाली एग्जीमा की समस्या अधिक पाई जाती है। यह आम तौर पर चेहरे पर उभरती है परन्तु इसे अक्सर इसे कोहनियों, छाती या बांहों पर भी पैदा होते देखा जाता है। धीरे-धीरे यह सूखी और खुरदरी हो जाती है। इस किस्म के रैश आमतौर पर साबुनों, लोशनों या बच्चे के कपड़े धोने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिटर्जेंट के एलर्जिक रिएक्शन के तौर पर भी बढ़ते हैं।

रूखी त्वचा

अधिकतर नवजन्मे बच्चे रूखी त्वचा के साथ पैदा होते हैं। उनके जन्म के कुछ दिनों बाद यह त्वचा खुद ही उतरने लगती है। यह आम तौर पर जल्दी ही रुक जाती है परन्तु इसके कारण यदि आपको चिंता हो तो किसी जच्चा-बच्चा विशेषज्ञ से अवश्य सलाह लें।

गुलाबी-लाल रंग वालधब्बे

ये हल्के गुलाबी-लाल रंग वाले धब्बे पसीने के कारण पैदा होते हैं और गर्दन, डाइपर वाले हिस्से तथा बगलों में दिखाई देते हैं। जितना संभव हो सके अपने बच्चे को कूल और सूखा रखें। उसे ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनाएं। बच्चे की त्वचा पर पाउडर के अधिक उपयोग से बचें। बेबी पाउडर के छोटे-छोटे दाने सांस के द्वारा बच्चे के अंदर जा सकते हैं, जिससे उन्हें असुखद महसूस हो सकता है। जब तक आपका बच्चा 4 से 6 महीने तक का न हो जाए तब तक उसके शरीर पर पाउडर का इस्तेमाल करने से बचें।

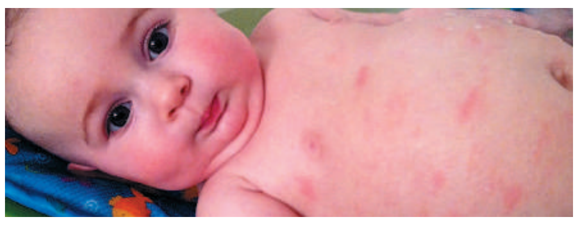

मसल्स बनाने है तो ले संतुलित आहार

मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने के लिए प्रोटीन, मिनरल्स विटामिन्स और कार्बोहाइड्रेट का बहुत महत्व होता है। इसलिए फिट रहने के लिए जिम करने वाले को न्यूट्रीशन्स से भरपूर डाइट लेनी चाहिए। मसल्स बनाने के लिए संतुलित भोजन की आवश्यकता होती है। इसके अलावा प्रोटीन शेक या सप्लीमेंट्स का सहारा न लें क्योंकि इसके अधिक नुकसान हैं।

तेज बुखार से कैसे पाएं राहत...

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर खुद ही उसे मारने की कोशिश करता है। इसी मकसद से शरीर जब अपना तापमान सामान्य 98.3 डिग्री फॉरनहाइट से ज्यादा बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। हालांकि कई बार बुखार थकान या मौसम बदलने आदि की वजह से होता है। ऐसे में 100 डिग्री तक बुखार में किसी दवा आदि की जरूरत नहीं होती।

रेयर डिजीज से बचाएं बच्चों को...

दुर्लभ बीमारियों के शिकार अक्सर छोटे और कम उम्र के बच्चे होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के शरीर में किसी भी तरह की अजीब हरकत या असाधारण व्यवहार जैसे अगर बच्चे का विकास न हो रहा हो, वह ज्यादा चिड़चिड़ा रहने लगा हो, उसे दौरे आते हों, शरीर से अजीब-सी गंध आती हो, बालों के रंग में बदलाव होने लगे, देखने में परेशानी हो, उम्र के हिसाब से उसमे विकास दिखाई न दे तो फौरन डॉक्टर से संपर्क कर आवश्यक जांचें करा लेनी चाहिए। रेयर डिजीज यानी दुर्लभ बीमारियां उन्हें माना जाता है, जो कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं, लेकिन बच्चों को लेकर हमाशा जागरूक रहने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ऐसी बीमारियां 10 हजार में से छह लोगों में ही देखने को मिलती हैं। इनमें से ज्यादातर बीमारियां आनुवांशिक होती हैं। इनसे ग्रसित बच्चों में से 30 प्रतिशत बच्चे 5-7 वर्ष की उम्र से पहले ही मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास प्रभावित होता है। एक ही परिवार में कई लोगों को एक जैसा विकार हो सकता है। इसलिए इन दुर्लभ बीमारियों को जन्म के शीघ्र बाद ही पहचान कर इलाज करा लेना चाहिए। फिलहाल इन बीमारियों के इलाज के लिए जीन थैरेपी, एंजाइम थैरपी व स्टेम सेल ट्रीटमेट पर शोध किया जा रहा है। कुछ दुर्लभ बीमारियां ऐसी भी हैं जो इन दिनों बहुत देखने में आ रही हैं।

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा

ऑसिफिकेंस प्रोगरेसिवा से ग्रस्त बच्चों में हड्डी वहां बनना शुरू हो जाती है, जहां सामान्यतया मांसपेशियां होती हैं। इसमें बच्चे के शरीर के विभिन्न हिस्सों में मांसपेशियों में गांठें दिखने लगती हैं और इसकी शुरुआत कभी-कभी छोटी चोट लगने के बाद होती है। ऐसे बच्चे 30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते चलने-फिरने में असमर्थ हो जाते हैं और बार-बार निमोनिया से ग्रसित होते हैं। इसके उपचार के लिए प्रेडनिसोलोन दवा का प्रयोग किया जाता है और बच्चे को बार-बार चोट लगने से बचाना होता है।

एकोन्ड्रोप्लेसिया

एकोन्ड्रोप्लेसिया बीमारी एक दुर्लभ बीमारी है जो 25 हजार में से किसी एक बच्चे को होती है। ऐसे बच्चों की लंबाई बहुत कम रह जाती है। इन बच्चों का चेहरा बीच से छोटा व नाक चपटी होती है। इनकी रीढ़ की हड्डी ज्यादा झुकी हुई होती है। कान में बार-बार संक्रमण का खतरा रहता है और सिर में पानी भरने की आशंका भी रहती है। इसके इलाज के लिए जीन थैरपी व सीएनपी दवा का प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है।

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी

ड्यूकन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी मांसपेशियों की बीमारी है जो सिर्फ लड़कों में ही दिखाई देती है। इस बीमारी में एक्स क्रोमोसोम में डिस्ट्रोफिन जीन विकार हो जाता है।

इस रोग के लक्षण बच्चों में 2-3 साल के बाद दिखने लगते हैं। सबसे पहले पैरों की मांसपेशियां कमजोर होती हैं फिर 10 वर्ष की उम्र तक बच्चा चलना-फिरना बंद कर देता है। ऐसे बच्चों का दिमागी व सामान्य विकास भी प्रभावित होता है। इसके लिए स्टेम सेल या जीन थैरेपी पर प्रयोग चल रहे हैं।

जन्मजात थायरॉइड की कमी

जन्मजात थायरॉइड की कमी थायरॉइड हार्मोन की कमी से होती है। इसके लक्षण हैं ज्यादा सोना, पीलिया, शरीर का तापमान कम होना और थकावट आदि। इसके इलाज के लिए थायरॉइड की दवाएं दी जाती हैं।

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी

बायोटिनीडेज डेफीशियंसी यह रोग बायोटिन यानी विटामिन- बी7 की कमी के कारण होता है। इसमें व्यावहारिक व दिमागी क्षमता में कमी, दौरे आना, दस्त, त्वचा रोग, बार-बार संक्रमण, शारीरिक कमजोरी व बाल झड़ना यह लक्षण पाए जाते हैं। इसका इलाज है विटामिन- बी7 दवा।

आवश्यक जांचें कराएं

नवजात शिशुओं में दुर्लभ बीमारियों का समय रहते पता लगाने के लिए विशेष जांच प्रक्रियाएं हैं। प्रसव के बाद नवजात शिशु के शरीर से खून की कुछ बूंदे फिल्टर पेपर पर ले ली जाती हैं और कई बीमारियों के लिए टेस्ट किया जाता है। इसका प्रयोग कई दुर्लभ, आनुवांशिक एवं मेटाबॉलिक डिजीज का पता लगाने के लिए किया जाता है। सभी नवजात बच्चों में जन्मजात थायरॉइड की कमी, कन्जानाइटल एड्रिनल हाइपरप्लेसिया, जी-6 पीडी की कमी, ग्लेक्टोसीमिया और बायोटिनीडेज की कमी की जांचें करवा लेनी चाहिए। इन सबके अलावा बच्चों में कोई भी असाधारण लक्षण देखकर तुरंत डॉक्टर की मदद लें।

प्रुन बैली सिन्ड्रोम

प्रुन बैली सिन्ड्रोम 40 हजार में से एक बच्चे में देखने को मिलती है। यह बीमारी ज्यादातर लड़कों को होती है। इन बच्चों की मुख्य समस्या पेशाब के रास्ते में रूकावट से होती है। इनके पेट के ऊपर की मांसपेशियां पूर्णतया विकसित न होने से पेट आगे निकला होता है और इनके टेस्टीज भी पेट में होते हैं।

प्रोजिरिया

प्रोजिरिया में बचपन में ही बच्चा बूढ़ा दिखने लगता है। इस बीमारी की आशंका 80 लाख बच्चों में से किसी एक को होती है। यह बीमारी एलएमएनए जीन में बदलाव से होती है। जन्म के बाद इन बच्चों का वजन अपनी उम्र के अन्य बच्चों की तुलना में कम बढ़ता है और चमड़ी मोटी हो जाती है, बाल झड़ने लगते हैं, दिखना कम हो जाता है और चेहरे पर झुर्रियां पड़ जाती हैं।

त्वचा के नीचे वसा व मांसपेशियां कम हो जाती हैं। ये लक्षण 6-7 साल की उम्र तक दिखने लग जाते हैं।

इस रोग के उपचार के लिए मोरफालिनोस लोनाफार्निब, रेपामाइसिन, ग्रोथ हार्मोन आदि दवाओं का उपयोग किया जाता है लेकिन अभी इसके इलाज में पूर्णतया सफ लता नहीं मिल पाई है।

फिनाइल किटोन यूरिया

फिनाइल किटोन यूरिया एक आनुवांशिक बीमारी है। बच्चों में एंजाइम्स की कमी होने पर वह अमीनो एसिड पचा नहीं पाते और जब यह शरीर में एकत्र होता रहता है तो फिनाइल किटोन यूरिया की समस्या हो जाती है। इस बीमारी में नवजात जन्म के समय सामान्य होता है। अमीनो एसिड के जमा होने से धीरे-धीरे नवजात का विकास रूक जाता है, दिमागी कमजोरी आती है और पेशाब में गंध आने लगती है। यदि इस रोग का समय रहते पता चल जाए तो बच्चे का विकास सामान्य हो सकता है। इससे बचने के लिए अमीनो एसिड रहित विशेष प्रकार का दूध दिया जाता है। यह मार्केट में आसानी से उपलब्ध होता है।

बॉडी स्वैलिंग हटाने के लिए खाएं ये सब्जियां

शरीर में सूजन होने के बहुत सारे कारण हो करते है। वक्त रहते अगर इस पर ध्यान न दिया जाए तो यह परेशानी बहुत बढ़ सकती है। इसके बहुत से कारण हो सकते है जैसे की शरीर में खून की कमी होना,पेट की गड़बड़ी या फिर खान-पान में लापरवाही।आज हम आपको सूजन की रोकथाम के लिए कुछ खास आहार बता रहें है, जिसे आप अपनी दिनचर्या में शामिल करके इस समस्या से निजात पा करते है।

चुकंदर

इसमें विटमिन सी और फाइबर के गुण होते हैं और इसमें ऐंटिऑक्सिडेंट पाया जाता है।यह सूजन कम करने में मददगार है।

अदरक और हल्दी

यह हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम को बढ़ाता हैं और रोगों से लड़ने में मदद करता हैं।

टमाटर

टमाटर में लाइकोपेन होता है जो फेफड़ों और पूरे शरीर की सवैलिंग को रोकता है।

लो फैट भोजन

कैल्शियम और विटमिन डी से वाले आहार लाभदायक होते है।

सोया

सोया खाने से सूजन कम हो जाती है। अपनी रोजाना की डाइट में सोया मिल्क और टोफू शामिल करना चाहिए।

सूखे मेवे

बादाम और अखरोठ में बहुत ज्यादा फाइबर, कैल्शियम और विटमिन ई पाया जाता है जो शरीर को सूजन से बचाता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां ब्रोकली, पत्तागोभी, पालक काफी लाभदायक होते है।

साबुत अनाज

साबुत अनाज में फाइबर काफी मात्रा में होता है। यह शरीर की सूजन कम करने में मदद करता है। साबुत अनाज के तौर पर आप, चावल, बाजरा, वीट ब्रेड भी खा सकते हैं।

मछली

मछली में ओमेगा 3 फैटी ऐसिड पाया पाया जाता है। जिससे शरीर की सूजन काफी कम रहती है।

ये बीमारियां बन सकती हैं ब्रेन हेम्रेज का कारण

बीमारी जो भी हो, उसकी सही समय पर पहचान और उपचार होना चाहिए। लेकिन कई बीमारियां ऐसी होती हैं, जो अगर सही समय पर पहचान या उपचारित ना की जाएं तो जानलेवा साबित हो सकती हैं। ऐसी ही कुछ बीमारियां हैं जो दबे पाओं शरीर में घर कर लेती हैं और एक दिन ब्रेन हेम्रेज का कारण बन जाती हैं। इन्हें साइलेंट किलर डिजीज बी कहा जाता है। इन बीमारियों से हार्ट अटैक, ब्रेन हेम्रेज के साथ अंधे होने की तक की आशंका रहती है।

डायबिटीज

आमतौर पर यह बीमारी किसी मनुष्य को दो रूपों में परेशान करती है, टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज। टाइप-1 डायबिटीज में शरीर के अंदर इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। वहीं टाइप-2 डायबिटीज में शरीर बने हुए इंसुलिन का ठीक से प्रयोग कर पाने में असफल हो जाता है। लगभग 90 प्रतिशत लोग टाइप-2 डायबिटीज के शिकार होते हैं।

प्रमुख कारण व लक्षण

डायबिटीज के मुख्य कारणों में आनुवांशिक कारण, शारीरिक श्रम की कमी, अधिक कार्बोहाइड्रेटयुक्त भोजन का सेवन, अधिकांश समय घर के भीतर ही रहना आदि हैं। इसके लक्षणों में तेजी से घटता वजन, थकान, अत्यधिक प्यास लगना, घाव जल्दी न भरना, पैरों में झनझनाहट होना, आंखों में धुंधलापन आदि शामिल होते हैं।

क्या हैं खतरे

इस बीमारी के गंभीर होने की स्थिति में आंखों में अंधापन, दिमाग को लकवा, किडनी फेल्यॉर, आंखों में अंधापन, हृदय संबंधी बीमारियां आदि का खतरा होता है।

रोग के मुताबिक होता इलाज

मरीज के रोग की स्थिति व गंभीरता के हिसाब उसे दवाएं व इंसुलिन के इंजेक्शन दिए जाते हैं। साथ ही जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव की सलाह दी जाती है।

क्या है बचाव

40 साल की आयु हो जाने के बाद समय-समय पर चिकित्सा जांच अवश्य कराएं। संतुलित आहार लें, नियमित व्यायाम करें व टहलें। नियमित व्यायाम जरूरी डायबिटीज से बचने व इससे डील करने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर के दो मुख्य कारण होते हैं। पहला प्राइमरी, जिसमें समस्या या तो आनुवांशिक कारणों से होती है या फिर तनाव के कारण। लगभग 90 प्रतिशत लोगों में यह बीमारी प्राइमरी कारणों से ही होती है। सकेंडरी कारण में, किसी अन्य अंग के विकार के कारण व्यक्ति हाई ब्लडप्रेशर का शिकार हो जाता है। हालांकि ऐसा केवल 10 प्रतिशत लोगों में देखा जाता है। इस रोग के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं।

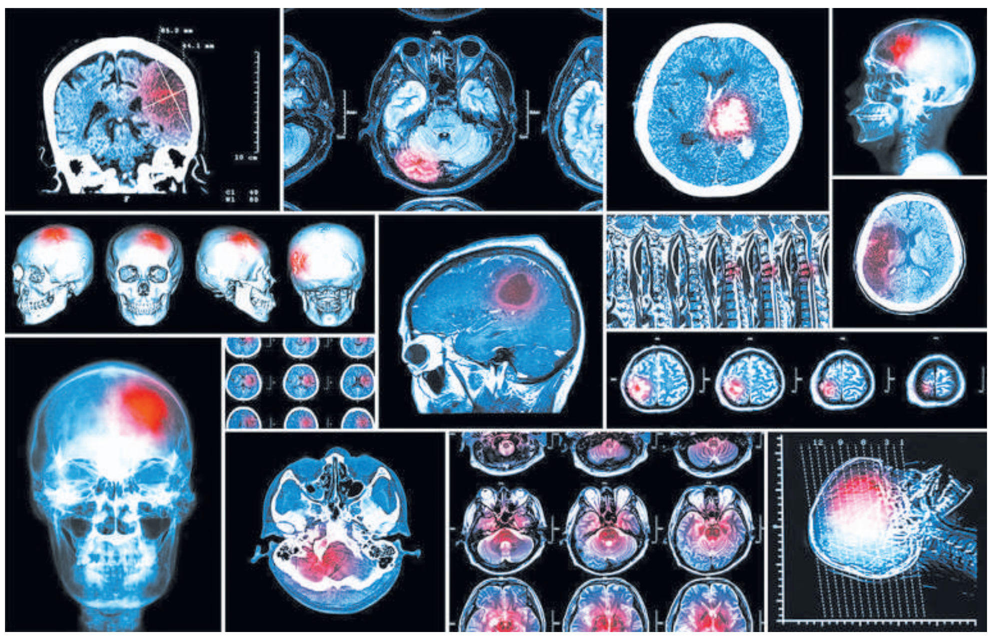

क्या खतरे होते हैं

इस रोग के गंभीर मामलो में ब्रेन हेम्रेज, हार्ट अटैक, किडनी फेल्यॉर, आंखें खराब होने वाला लकवा आदि होने की आशंका होती है।

क्या है इलाज

मरीज की जांच आदि कर फैमिली हिस्ट्री, उम्र, जुड़ी हुई बीमारियां व शारीरिक प्रकृति देखकर रोगी दवा दी जाती है। और जीवनशैली से जुड़े जरूरी बदलाव करने की सलाह दी जाती है।

कैसे करें बचाव

प्रतिदिन 5 ग्राम से अधिक नमक का सेवन न करें, अधिक चिकनाईयुक्त पदार्थ न खाएं, घी व नॉनवेज, तेज मसालों और फास्ट फूड आदि से परहेज करें। फल व सलाद को डाइट में शामिल करें। व्यायाम व मेडिटेशन को अपनी दैनिक क्रिया बनाएं।

उपरोक्त के अलावा थायरॉइड का बिगड़ा रूप भी ब्रेन हेम्रेज व अन्य गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। बदलती जीवनशैली और शरीर में एंटीबॉडीज बनने से यह रोग होता है। बदलती जीवनशैली इसका मुख्य कारण है, अतः इससे बचने के लिए खान-पान व दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव करें।

रेसिपी

वालनट ब्राउनिज

सामग्री

1/2 कप (100 ग्राम) मक्खन, 175 ग्राम ब्राउन शुगर, 2 अंडे, 1 टी स्पून वनीला एसेंस या रम, 1/2 कप मैदा, 1/5 टी स्पून बेकिंग पाउडर, 1/2 कप कोको पाउडर, 75 ग्राम अखरोट के छोटे-छोटे टुकड़े।

विधि

मक्खन को धीमी आंच पर पिघलाएं। फिर उसमें ब्राउन शुगर डालकर लकड़ी के चम्मच से अच्छी तरह मिलाएं। एक अंडा डालकर दोबारा अच्छी तरह मिलाएं। दूसरा अंडा डालकर फिर से मिलाएं। 1 टी स्पून वनीला एसेंस या 1 टी स्पून रम मिलाएं। मैदे में बेकिंग पाउडर और कोको पाउडर मिलाएं। 2 टेबल स्पून अखरोट हटाकर अलग रखें और बचे हुए अखरोट मैदे में मिला दें। फिर मैदे को मक्खन मिश्रण में मिलाएं। अब मैदा मिश्रण को चिकनाई लगी मध्यम आकार की ट्रे या 8 इंच चौकोर टिन में डालकर 1 इंच मोटी परत बिछाएं। बचे हुए अखरोट उसके ऊपर डालें। फिर 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर पहले से गर्म किए हुए अवन में आधा घंटे बेक करें। ठंडा करके चौकोर टुकड़ों में काटकर सर्व करें।

ऑरेंज लेमन कसटर्ड

सामग्री

3 बड़े चम्मच लेमन कस्टर्ड पाउडर, आधा कप चीनी, 750 मिली दूध, एक संतरा छीला हुआ, 8-10 स्ट्रॉबेरी, 2 कीवी फ्रूट्स कटे हुए, एक मौसमी छीली हुई, 1 चम्मच पिसी चीनी, 1 छोटा चम्मच नीबू का रस, 1 चम्मच ऑरेंज कैंडी।

विधि

कस्टर्ड पाउडर को आधा कप ठंडे दूध में घोल लें। बाकी दूध को चीनी के साथ उबालें। उबलते दूध में कस्टर्ड पाउडर डालकर हलकी आंच पर लगातार चलाते हुए गाढ़ा होने तक पकाएं। ठंडा करने के लिए एक तरफ रखें। अब इसमें संतरा डालें। कटे हुए कीवी व स्ट्रॉबेरी में पिसी चीनी व नीबू का रस मिलाएं। ठंडे फलों को 4 ग्लासों में डालकर ऊपर से तैयार कस्टर्ड से भरें। ऊपर से ऑरेंज कैंडी व छोटे कटे स्ट्रॉबेरी व कीवी से सजाकर फ्रिज में सेट होने के लिए रखें। ठंडा-ठंडा सर्व करें।

जिज्ञासा

इंसानों से ज्यादा टेक्नीकली साउंड होते हैं कौवे

कौवे हमारी सोच से कहीं अधिक चतुर होते हैं। उनमें सीखने और नए साधनों का इस्तेमाल करने की समझ होती है। यही कारण है कि जब आप उन पर बंदूक से निशाना लगाने की नकल भी कर रहे हों तो वे छतों और खम्भों से उड़ जाते हैं। विज्ञान पत्रिका 'पब्लिक लाइब्रेरी ऑफसाइंस' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) और कैम्ब्रिज (ब्रिटेन) विश्वविद्यालयों द्वारा कराए गए शोध से पता चला है कि कौवे नए उपकरणों से सीखने की प्रक्रिया में सतत लगे रहते हैं। एक बहुत पुरानी कहानी के मुताबिक एक प्यासा कौवा मटके में पानी का स्तर उपर लाने के लिए उसमें तब तक पत्थर डालता रहता है, जब तक कि पानी का स्तर उसकी पहुंच में नहीं आ जाता। उस वक्त कौवा पानी का स्तर ऊपर लाने के लिए छोटे पत्थरों मटके में डालता है न कि बड़े पत्थर।

विश्वविद्यालय के एक बयान के अनुसार कुछ प्रयोगों से पता चला है कि कौवों का प्रदर्शन सीखने की साधारण प्रक्रिया पर आधारित नही होता है। कौवों में दरअसल यह समझने की शक्ति होती है कि वास्तव में कोई भी काम किस तरह से किया जा सकता। इसी वजह से अध्ययन के सह-लेखकों ने यह निष्कर्ष निकाला कि कौवे के सरल साहचर्य के पीछे उनकी संज्ञानात्मक प्रक्रिया होती है, जिससे वे नये साधनों या फिर उपकरणों की जानकारी जुटाने में सक्षम होते हैं।

हमारा इतिहास क्या हमारा ही इतिहास है ?

आपको लगता है कि नहीं पता नहीं, पर मुझे तो यही लगता है कि आज जो हमारा इतिहास पढ़ाया जाता है वह वास्तव में हमारा इतिहास है ही नहीं। वह तो उन क्रूर, कुटिल, अत्याचारी और हत्यारे लोगों का इतिहास है जिन्होंने अत्याचार और मक्कारी के बल पर भारत पर जबरन कब्जा कर लिया था। और दुख की बात तो यह है कि, आज पढ़ाए जाने वाले इतिहास में उन्हीं लोगों को ही महान बताया जाता है।

मुगल काल का इतिहास मुगलों के द्वारा और अंग्रेजों के समय का इतिहास अंग्रेजों के द्वारा लिखा गया है। अब जाहिर है कि मुगल मुगलों की और अंग्रेज ईसाइयों की श्रेष्ठता ही बयान करने की कोशिश करेगा और उसी हिसाब से वास्तविक घटनाओं को तोड़-मरोड़ कर ही इतिहास लिखेगा। मुगलों और अंग्रेजों, दोनो ही के इतिहासकारों को अच्छी तरह से मालूम था कि अत्यन्त प्राचीन काल से समस्त विश्व को ज्ञान, विज्ञान और गणित की शिक्षा प्रदान करने वाले भारत का अपना एक अनूठा इतिहास रहा है। किन्तु यदि वे भारत के उस सच्चे इतिहास को लिखते तो स्वयं को श्रेष्ठ कैसे सिद्ध कर पाते ? स्वयं को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए उन्होंने भारत के प्राचीन राजवंशों तथा उनकी वंशावलियों को अविश्वसनीय बता दिया, अनेक भारतीय साम्राज्यों के लिखित इतिहास को गायब कर दिया और हमारे प्राचीन ग्रन्थों मे उल्लेखित इतिहास को कल्पित कथाओं का रूप दे दिया।

दुर्भाग्य की बात तो यह है कि स्वतन्त्र होने के बाद भारत की सत्ता जिन लोगों के हाथ में आई वे शक्ल-सूरत से भारतीय दिखने वाले लोग भी मन से अंग्रेज ही थे, अंग्रेजियत उनके नस-नस में खून बनकर दौड़ रही थी। भारतीय दृष्टिकोण से भारत का सही इतिहास लिखा जाना भला उन्हें कैसे गवारा होता ? पुराने इतिहास को तो उन्होंने सुधारा ही नहीं, उल्टे स्वतन्त्रता प्राप्ति के के पूर्व तथा पश्चात् के इतिहास को भी तोड़-मरोड़ कर कुछ तथाकथित विशिष्ट व्यक्तियों का इतिहास बना कर रख दिया। सारी उपलब्धियों का श्रेय उन तथाकथित विशिष्ट व्यक्तियों को दे दिया गया।

यदि आज भी हम अपने वास्तविक इतिहास को जान लें, अपनी प्राचीन संस्कृति और सभ्यता को महत्व दें, और निहित स्वार्थ को छोड़ कर विशुद्ध राष्ट्रीय भावना के साथ अपना काम करें तो संसार की कोई भी ताकत भारत को विश्व में प्रथम स्थान पाने से रोक नहीं सकती।

कागज की कहानी

कागज का इतिहास काफी पुराना है। हजारों साल पुराना हमारा इतिहास भी इसी के पन्नों पर दर्ज है। हैंडमेड पेपर का क्रैडिट भारत को जाता है। यहां तीसरी सदी ई.पू. के दौरान सैल्युलस फाइबर से कागज बनाया जाता था। 1938 में हरिपुरा कांग्रेस में महात्मा गांधी ने पेपरमेकिंग का तरीका सिखाया था..

चीन सभ्यताओं में जब लिपि की खोज की गई, तब हर चीज को पत्थरों, मिट्टी, पेड़ के तनों और धातु की शीट पर लिखा जाता था। 1800 ई.पू. में मिस्र में वर्णमाला का विकास हुआ। कागज पर लिखने की शुरुआत सबसे पहले मिस्र में ही हुई।

कागज को अंग्रेजी में पेपर कहा जाता है। इस शब्द को मिस्र वासियों द्वारा लिखने के लिए प्रयोग किए जाने वाली 'पेपीरस' नामक वस्तु से लिया गया है। सबसे पहले मिस्र के लोगों ने पेपीरस पर लिखना शुरू किया था, जो नील नदी के किनारे उगने वाला 'नरकट' थी। वे 'नरकट' के अंदर का सफेद नर्म भाग निकाल लेते थे और पीट-पीट कर आड़ा-टेढ़ा बिछाकर मोटे कागज जैसा चपटा कर देते थे और फिर इस पर लिखा जाता था।

ईसा से 200 साल पहले चीनी फटे-पुराने मछली के जाल से कागज बनाते थे। तीन सौ साल बाद एक चीनी विद्वान साई-लदुन ने इसकी बजाय पुराने कपड़ों के चिथड़ों से कागज बनाने की सोची। उसने इनमें पेड़ों की छाल व सन के रेशे मिलाकर कागज बनाया। कागज की खोज को चीन की चार सर्वश्रेष्ठ खोजों में से एक माना जाता है।

चीन से मध्य-पूर्व एशिया के देशों से होता हुआ कागज का प्रयोग 12वीं सदी में यूरोप पहुंच गया। काली मौत के नाम से मशहूर यूरोप में फैले प्लेग ने कागज बनाने वालों का काम बहुत बढ़ा दिया। प्लेग से मरे लाखों लोगों के कपड़े कोई छूता नहीं था। उनका अक्बार लग गया। ये सभी कपड़े इन्हें मिल गए। तभी प्रिंटिंग प्रैस का भी आविष्कार हुआ था।

18वीं सदी में कागज बेहतर, सस्ता व जल्दी बनाने की खोज शुरू हुई। इसी के तहत रेने डी रामूर का ध्यान टिड्डों पर गया। उन्होंने देखा कि टिड्डे लकड़ी चबाकर उनकी लुगदी-सी बना लेते हैं, जो उनके घोंसले बनाने के काम आती है। वास्तव में कागज बनाने के लिए आज जो लकड़ी की लुगदी इस्तेमाल होती है वह रामूर की ही देन है। फिर कनेडियन खोजकर्ताओं चार्ल्स फैनर्टी और

ए.जी.केलर ने 1844 में खोज की कि कागज बनाने के लिए किस तरीके से लकड़ी को पीसा जा सकता है। उन्होंने कागज के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए मशीनें भी तैयार कीं। इससे न्यूजप्रिंट का उत्पादन संभव हो सका।

इसके बाद कई खोजकर्ताओं ने लकड़ी से फाइबर यानी रेशे अलग करने का काम किया, लेकिन मूल तरीका आज भी टिड्डों से लिया हुआ ही है, यानी लकड़ी, पानी व ऊर्जा से कागज बनाना। हम सिर्फ अलग- अलग तरह की लकड़ियां, रसायन व मशीनें इस्तेमाल कर रहे हैं, अलग-अलग कागज बनाने के लिए।

साधारण शब्दों में कागज के कई सारे नर्म फाइबर्स को एक के ऊपर एक जोर से दबाकर तैयार किया जाता है। आज कागज को मुख्य रूप से लिखने, प्रिंटिंग और पैकेजिंग के लिए प्रयोग किया जाता है।

कागज की मोटाई को आमतौर पर कैलीपर में नापा जाता है, जो एक इंच के हजारवें हिस्से के रूप में दिया जाता है। इस प्रकार एक कागज 0.07 मिलीमीटर से लेकर 0.18 मिलीमीटर तक हो सकता है।

रीसाइकलिंग है जरूरी

पढ़ाई और जानकारी का जरिया भी कागज ही हैं। दुनियाभर की खबरों से आपको रूबरू कराने वाला अखबार भी कागज पर ही छपता है। कागज इतना महत्वपूर्ण होने के बावजूद अधिकतर बच्चे इसकी अहमियत नहीं जानते और पुस्तक के पन्ने फाड़ कर फेंक देते हैं। बच्चो, क्या आप जानते हैं कि कागज बनाने में लकड़ी का इस्तेमाल होता है। लाखों टन कागज बनाने में हर साल करोड़ों पेड़ काटे जाते हैं। इसलिए पुराने कागज को संभाल कर रखें और इसे रीसाइकलिंग के लिए दें। इससे हम पेड़ों को बचाकर पर्यावरण की रक्षा भी कर सकते हैं और प्रदूषण से भी बचाव होता है।

- यदि एक टन कागज रीसाइकल किया जाए, तो 17 पेड़ों को कटने से बचाया जा सकता है और साथ ही 3000 गैलन पानी की भी बचत होती है। एक पेड़ एक साल में 60 पाउंड पॉल्यूटैंट्स को फिल्टर कर सकता है।
- रीसाइकलिंग पेपर नई लकड़ी से कागज बनाने की अपेक्षा 60 फीसदी कम एनर्जी का इस्तेमाल करता है।
- पेपर प्रॉडक्ट्स दुनिया की सालाना कमर्शियल वुड हार्वेस्ट का 35 फीसदी इस्तेमाल करते हैं।
- दुनियाभर में अमेरिका और कनेडा पेपर और पेपर प्रॉडक्ट्स प्रोड्यूस करने वाले देश हैं।
- आज भी हैंडमेड पेपर्स उसी तरह बनाए जाते हैं, जैसे सदियों पहले बनाए जाते थे।

क्या आप जानते हो

- नॉटिकल मील से समुद्री दूरी मापी जाती है। एक नॉटिकल मील (6080) फुट या 1.15 के बराबर होता है। जलपोतों की गति नॉट में मापी जाती है। कोई पोत अगर (5) नॉट की गति से चल रहा है तो उसका मतलब 1 घंटे में (5) नॉटिकल मील की दूरी तय करता है।
- एटलस पर्वत श्रृखंला अफ्रीका के उत्तरी पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है और मोरक्को, अलजीरिया और टुयुनिशिया सहित राक आफजिब्राल्टर तक फैली हुई है। इसकी लम्बाई 2400 कि. मी. है।
- अत्यधिक चमक के साथ विस्फोटित होने वाले सितारों को सुपरनोवा कहा जाता है। जब इसकी केन्द्रीय उर्जा या इन्धन समाप्त हो जाती है तो अस्थिरता के कारण इसमें विस्फोट होते हैं। नैन्युला विस्फोटित सितारों के धुलकण तथा गैस अवशेष से बने अतिविशाल धुल के कण होते हैं।
- सितारे गैसों और धुल के बादलों में बनते है जैसे सूर्य बना था। बहुत दूर अंतरिक्ष में गैसों और धुल के विशाल बादल है जिसे नेबुला कहा जाता है कुछ नेबुला चमकदार होते है और रोशनी के साथ चमकते हैं।
- धरती का सबसे करीबी तारा सूर्य है। यह धरती से 15 करोड़ 20 लाख कि.मी. दूर है और इसका व्यास हमारी पृथ्वी के व्यास से 12000 गुणा बड़ा है।
- हमारा सूर्य लगभग 1 लाख सितारों में से एक है जो आकाश गंगा कहलाते है। आकाश गंगा के उस ओर सबसे दूर तारे 80000 प्रकाश वर्ष दूर है। बताया जाता है कि लाखों अन्य आकाश गंगाएं इससे भी दूर हैं जिनमें प्रत्येक में लाखों तारे हैं।
- सुपरनोवा एक ऐसा सितारा है जो अचानक भड़क उठता है और कई लाख गुना चमकीला होता है। यह इतना चमकीला हो जाता है कि इसे दिन में भी देखा जा सकता है परन्तु, यह तुरंत ही मन्द पड़ जाता है। सुपरनोवा एक दुर्लभ द्रष्टा होता है क्योंकि, यह धमाका है जो एक बड़े सितारे के अन्त का सूचक होता है।
- रात्रि में सितारों द्वारा बनाई गई आकृति कभी नहीं बदलती। इन आकृतियों को तारामंडल कहते हैं।
- नई खोज- सौर मंडल के सबसे दूर ग्रह प्लूटो के दो और चाँद का पता चला है। फिलहाल इन दोनों उपग्रहों को एस 2005 पी1 तथा एक 2005 पी 2 नाम दिया गया है। इसे नासा का टेलिस्कोप ने देखा है।
- जहर सोखने वाला पौधा- चीन के वैज्ञानिकों ने इन दिनों जहर सोखनेवाले पौधे का खोज किया है। इससे पर्यावरण को फायदा होगा। ये पौधे पर्यावरण से आर्सेनिक, कॉपर, और जिंक सहित अन्य रासायनिक धातुओं के घातक तत्वों को सोखने में सक्षम होगें। वैज्ञानिकों का दावा है कि ईन पौधों से पर्यावरण संतुलन में फायदा होगा, साथ ही धरती की उर्वराशक्ति बढ़ेगी।

एक अलग पहचानो

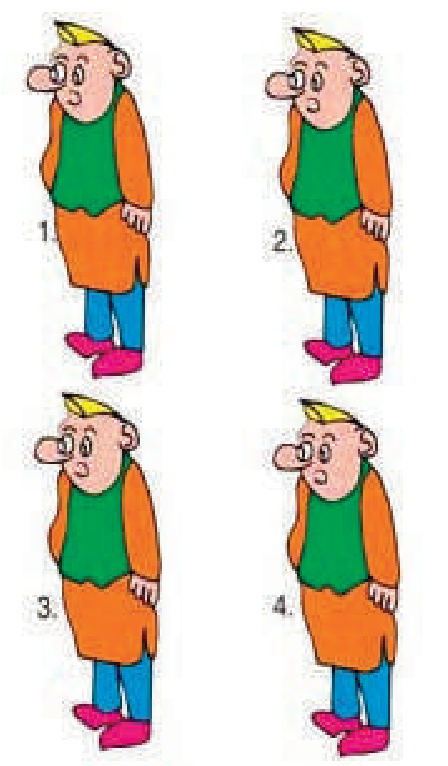

प्रेम दो चिड़ियों का

लघुकथा

एक पेंड़ की टहनी पर दो चिड़ियों में वार्ता हो रही थी। अचानक चिड़ा ने अपने साथी चिड़ियां से पूछा कि तुम मुझे कभी अकेली छोड़कर उड़ तो नहीं जायेगी ? इस पर चिड़ियां ने कहा, अगर इत्तेफॉक से मैं उड़ भी जाऊं तो तुम मुझे पकड़ लेना। चिड़ा ने कहा, फिर मैं तुम्हें पा नही सकूंगा ! यह सुनकर चिड़ियां के आंखों में आंसू आ गये तथा उसने साथी के प्रेम में अपने सारे पंख तोड़ लिये। तब उसने कहा, अब हम बराबर साथ रहेंगे।

एक दिन तेज हवावों का झोंका आया चिड़ियां घबरा गई और बोली तूफान शीघ्र आनेवाला है। मैं तो उड़ सकती नहीं, तुम कहीं सुरक्षित स्थान पर पनाह ले लो। चिड़ा बोला ठीक है पर तुम अपना ख्याल रखना। जब तूफान शांत हुआ तो चिड़ा वापस आया व देखा कि चिड़ियां स्वर्ग सिधार चुकी थी। उसी जगह पेड़ की एक टहनी पर लिखा था, काश ! एकबार यह बोला होता कि मैं तुम्हें छोड़कर नहीं जा सकता तो तूफान आने के पूर्व मरती नहीं...

अंतर बताओ

चीन ने पेश किया एशिया का सबसे लंबा हेलीकॉप्टर

चीन ने एशिया का सबसे लम्बा नागरिक हेलीकॉप्टर लांच किया। देश के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के नागरिक उड्डयन विभाग ने गुरुवार को इस हेलीकॉप्टर की प्रामाणिकता का सर्टिफिकेट दिया।

समाचार पत्र 'पीपुल्स डेली' के अनुसार हेलीकॉप्टर का निर्माण करने वाली एविऐशन इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना (एवीआईसी) ने कहा कि अधिकारिक स्वीकृति के साथ ही 13 टन वजन के एसी313 बाजार में प्रवेश कर चुकी है। हेलीकॉप्टर का डिजाइन उसके रख-रखाव, जीवन विश्वसनीयता, क्षतिपूर्ति और जीवन चक्र की दक्षता और अंतराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

एवीआईसी ने कहा कि हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल आपातकालीन बचाव कार्यो जैसे जंगलों की आग पर काबू पाना, यातायात, समुद्रगामी कार्यो, चिकित्सा सहायता के लिए किया जाएगा। साथ ही दर्शनीय स्थलों और व्यापारिक यात्राओं में भी इसकी मदद ली जा सकेगी।

73 हजार प्रजातियां

पृथ्वी पर दस लाख से ज्यादा जानवरों की प्रजातियां हैं। रेंगने वाले जानवरों की 6,000, मकड़ियों की 73,000 और जोंकों की 3,000 प्रजातियां हैं। दुनिया में प्रत्येक इंसान के पीछे 10 करोड़ कीड़े-मकोड़े हैं। 4,600 तरह के स्तनपायी जानवरों का सिर्फ 0.3 फीसदी हैं।

60 न्यूट्रिएंट्स

शरीर को तंदुरुस्त रहने के लिए 60 न्यूट्रिएंट्स की जरूरत होती है। इन्हें छह प्रमुख श्रेणियों- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स, फैट्स, विटामिन, मिनरल्स और पानी में रखा गया है। न्यूट्रिएंट्स को दो मुख्य ग्रुहश्वस मैक्रोन्यूट्रिएंट्स और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स में बांटा गया है।

10 लाख रंग

हमारी आंखें 10 लाख रंग पहचान सकती हैं और दुनिया के सबसे बड़े टेलिस्कोप से भी ज्यादा चीजें देखती हैं। हमारी आंखें दो मिलीयन यानी बीस लाख कार्य करने वाले सूक्ष्म अंगों से मिलकर बनी है

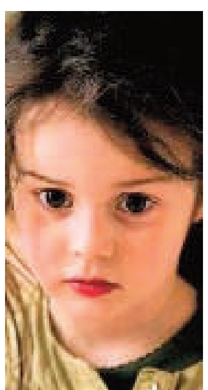

ऊंची क्रिकेट ग्राउंड

दुनिया की सबसे ऊंची क्रिकेट ग्राउंड हिमाचल प्रदेश में चैल में है। इसका निर्माण 1893 में एक पहाड़ी की चोटी को लैवल करने के बाद किया गया था। इसकी ऊंचाई समुद्र तल से करीब 2444 मीटर है

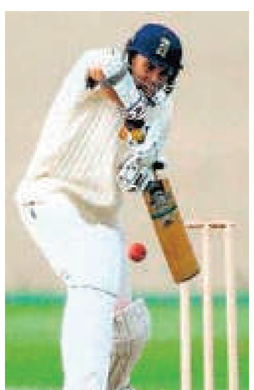

तेज रफ्तार से पहुंचाए संदेश

जब हम किसी वस्तु को छूते हैं, तो हम अपने दिमाग तक यह संदेश 124 मील प्रति घंटे की रफ्तार से भेजते हैं। हमारे शरीर में हर सेकंड 25 मिलियन नई कोशिकाएं यानी सैल्स बनते हैं, जो लगभग कनेडा की जनसख्या के बराबर है।

नॉर्वे चेस : गुकेश ने मनाया अपना 20वां जन्मदिन, शतरंज छोड़ नाविक बने ग्रैंडमास्टर्स

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे चेस 2026 के विश्राम के दिन शुक्रवार को दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों ने बिसात और मोहरों से दूर हटकर ओस्लोफ्योर्ड की लहरों पर रोमांचक सेलिंग रेस का आनंद लिया। इस खास आयोजन के दौरान मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने अपना 20वां जन्मदिन भी मनाया, जिससे दिन और भी यादगार बन गया।

नार्वे चेस की परंपरागत गतिविधियों के तहत आयोजित इस विशेष सेलिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को दो टीमों में बांटा गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को मानसिक दबाव से राहत देना और टीमवर्क एवं मनोरंजन का अनुभव कराना था।

इस कार्यक्रम में भारत के ग्रैंडमास्टर्स डी. गुकेश, दिव्या देशमुख, आर. प्रज्ञानानंद और कोनेरू हम्पी के अलावा नार्वे के दिग्गज मैग्नस कार्लसन, विसेंट कीमर, वेस्ली सो, अन्ना मुज़ीचुक, बिबिसारा अस्साउबायेवा, झू जिनर और अन्य शीर्ष खिलाड़ी शामिल हुए।

नार्वे चेस खेलों की यह परंपरा वर्षों से टूर्नामेंट का खास हिस्सा रही है। इसके तहत खिलाड़ियों को शतरंज की गहन तैयारियों और मुकाबलों से कुछ समय के लिए दूर ले जाकर अलग-अलग गतिविधियों में शामिल किया जाता है। पिछले वर्षों में खिलाड़ियों ने कुकिंग प्रतियोगिता, ट्रैक्टर चलाना, गाय दुहना, तीरंदाजी, फेंसिंग और चेस काउबाय चैलेंज जैसी अनोखी गतिविधियों में हिस्सा लिया था।

इस बार का आयोजन इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि 13 वर्षों बाद नार्वे चेस का आयोजन ओस्लो में हो रहा है, जबकि इससे पहले यह लंबे समय तक स्टावेंजर में आयोजित होता रहा था। विश्राम दिवस की गतिविधियों में जावोखिर सिंदारोव भी शामिल रहे, जो भविष्य में विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में गुकेश को चुनौती देने वाले हैं। खिलाड़ियों के बीच दोस्ताना माहौल और आपसी सौहार्द इस आयोजन की खास पहचान रहा।

दिन के कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा तब रहा जब भारतीय ग्रैंडमास्टर्स और नार्वे चेस प्रतिनिधिमंडल ने ओस्लो स्थित भारत के राजदूत से मुलाकात की। राजदूत ने खिलाड़ियों और अधिकारियों के सम्मान में एक विशेष संवाद सत्र आयोजित किया, जिसमें भारत और नार्वे के बीच खेल और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

अब विश्राम दिवस के बाद सभी खिलाड़ियों का ध्यान फिर से शतरंज की बिसात पर लौटेगा, जहां नार्वे चेस 2026 के आगामी दौरों में खिताबी मुकाबला और अधिक रोमांचक होने की उम्मीद है।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल फाइनल के कारण हवाई किराए आसमान पर, होटलों में बंपर बुकिंग

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में गत विजेता विजेता रायल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपना खिताब बरकरार रखने उतरेगी। ऐसे में मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साहत है। प्रशंसकों के उत्साहत के कारण ही यहां की उड़ानों के साथ ही होटलों का किराया भी कई गुना बढ़ गया है। प्रशंसक आनलाइन ट्रैवल प्लेटफार्म्स पर पुछताछ कर रहे हैं। जहां आयोजन स्थल के आसपास के होटलों और उड़ानों की बुकिंग में रिकार्ड उछाल आया है। स्तरां भी इस उत्साह को भुनाने के लिए विभिन्न डील्स, डिस्काउंट्स और लाइव स्क्रीनिंग के जरिये लोगों को लुभा रहे हैं। आनलाइन ट्रिप ट्रैवल प्लेटफार्म पर उड़ान खोज और अंतिम समय की होटल बुकिंग में नियमित सप्ताहांत यात्रा चक्र की तुलना में दो अंकों की वृद्धि देखी गई है। आनलाइन ट्रैवल प्लेटफार्म पर लोग अहमदाबाद से लेकर दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलूरु, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों से जानकारी मांग रहे हैं। इसी कारण होटल बुकिंग में तेज इजाफा हुआ है और कुल बुकिंग मूल्य में भी शानदार बढ़ोतरी हुई है। यह यात्रियों की मजबूत मांग का संकेत है, क्योंकि लोग उच्च मूल्य वाली श्रेणी और प्रीमियम जगहों का चुनाव कर रहे हैं। फेडरेशन आफ एसोसिएशन्स इन इंडियन टूरिज्म ऐंड हास्पिटैलिटी (फेथ) के अनुसार, मुंबई-अहमदाबाद हवाई किराये अपने सामान्य स्तर 3,000-5,000 रुपये से बढ़कर करीब 13,000 से 15,000 रुपये तक पहुंच गए हैं। वहीं दिल्ली-अहमदाबाद का किराया भी 4,000-5,000 रुपये से बढ़कर 14,000 रुपये तक जा पहुंचा है। सितारा श्रेणी के होटलों के किराये में 30 से 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। ऐसे बड़े आयोजनों पर एयरलाइंस, होटल और ट्रैवल प्लेटफार्म स्वाभाविक रूप से डायनेमिक प्राइसिंग, बंडल्ड स्टे विकल्प और इवेंट-आधारित यात्रा आफर्स उपलब्ध कराते हैं जिससे मांग को पूरा किया जा सके।

न्यूजीलैंड ने एकमात्र टेस्ट मैच में आयरलैंड को 79 रनों से हराया, प्लेयर आफ द मैच : ब्लंडेल

बेलफास्ट। न्यूजीलैंड की टीम ने यहां हुए एकमात्र टेस्ट मुकाबले में आयरलैंड को 79 रनों से हराया।

कीवी टीम ने यह मुकाबला केवल तीन दिनों अंदर ही जीत लिया। इस मैच में मेहमान कीवी टीम की जीत में बल्लेबाज टाम ब्लंडेल और युवा आलराउंडर रचिन रवींद्र की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 490 रन पर घोषित की। ब्लंडेल ने सबसे अधिक 186 रन बनाये जबकि रचिन ने 121 रन बनाए। वहीं डीन फाक्सक्राफ्ट 98 रन बनाकर पेवेलियन लौटै। आयरलैंड की ओर से मार्क अडेयर ने 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम पहली पारी में केवल 179 रन ही बना पायी। एंडी मैकब्रिन ने सबसे अधिक 73 रन बनाये जबकि मार्क अडेयर ने 40 रन बनाये। वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहे। पांच बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खेल पाये। वहीं कीवी टीम की ओर सेयुवा तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ ने 40 रन देकर 6 विकेट लिए। पहली पारी में 311 रन की बड़ी बढ़त लेने के बाद न्यूजीलैंड ने आयरलैंड को फालोआन दिया। अपनी दूसरी पारी में भी आयरलैंड की टीम नाकाम और 232 रन ही बना पायी। स्टिफन डोहने ने 57 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज लार्कन टुकर ने 50 रन की रन जबकि मार्क अडेयर 44 रन बनाये।

रायल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन, कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही

राजस्थान रायल्स की टीम बाहर हो गयी। रायल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है। वैभव ने अपने बल पर रायल्स को यहां तक पहुंचाया। नाकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए।

फ्रेंच ओपन में बड़ा उलटफेर : 19 वर्षीय जोआओ फोन्सेका ने नोवाक जोकोविच को किया बाहर

पेरिस

फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेरों का सिलसिला जारी है। विश्व टेनिस के दिग्गज और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच का रिकार्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना शुक्रवार को टूट गया, जब उन्हें तीसरे दौर में ब्राजील के 19 वर्षीय युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। करीब पांच घंटे तक चले इस मुकाबले में जीत दर्ज कर फोन्सेका ने इतिहास रच दिया। वह ग्रैंड स्लैम मुकाबले में जोकोविच को हराने वाले पहले किशोर खिलाड़ी बन गए। इस जीत के साथ उन्होंने खुद को भविष्य के बड़े दावेदारों में शामिल कर लिया है।

जोकोविच की हार का मतलब है कि 39 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी को अब भी मार्ग्रेट कोर्ट के 25 ग्रैंड स्लैम खिताबों के रिकार्ड को पीछे छोड़ने का इंतजार करना पड़ेगा। एक दिन पहले ही विश्व नंबर एक यानिक सिनर के बाहर होने के बाद यह परिणाम पेरिस में खिताब की दौड़ को और खुला बना गया है।

मैच के बाद भावुक फोन्सेका ने कहा, मुझे सच कहूं तो विश्वास नहीं था कि मैं यह मुकाबला जीत सकता हूं। मैं सिर्फ कोर्ट पर जाकर खेल का आनंद लेना चाहता था। जोकोविच जैसे महान खिलाड़ी के खिलाफ खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं बेहद खुश हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैं हर गेंद को पूरी ताकत से मारने की कोशिश कर रहा था। जोकोविच शायद ही कोई गलती करते हैं और आज भी उनकी फिटनेस अद्भुत है। मैच के अंत में वह मुझसे ज्यादा फिट नजर आ रहे थे।

फोन्सेका ने यह ऐतिहासिक जीत अपनी मां को समर्पित की, जिनका उसी दिन जन्मदिन था और वे दर्शक दीर्घा में मौजूद थीं।

शुरुआती दो सेटों में जोकोविच का दबदबा

एक सप्ताह पहले ही 39 वर्ष के हुए जोकोविच ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहले सेट में शुरुआती छह में से पांच गेम जीतकर युवा प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बना दिया। शानदार लाब, दमदार फोरहैंड और बेहतरीन ड्राप शाट्स की मदद से उन्होंने पहला सेट अपने नाम किया।

दूसरे सेट में भी फोन्सेका ने संघर्ष किया, लेकिन पांचवें गेम में सर्विस गंवाने के बाद जोकोविच ने बढ़त मजबूत कर ली और सेट जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली।

फोन्सेका की जबरदस्त वापसी

दो सेट पीछे होने के बावजूद फोन्सेका ने हार नहीं मानी। तीसरे सेट में उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए वापसी की और एक सेट अपने नाम किया।

चौथे सेट में भी ब्राजीलियाई खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने शुरुआती ब्रेक हासिल किया और लगातार आक्रामक शाट्स खेलते हुए मुकाबला दो-दो सेट की बराबरी पर पहुंचा दिया। निर्णायक पांचवें सेट में जोकोविच ने 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन फोन्सेका ने धैर्य और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए वापसी की। 5-5 की बराबरी के बाद उन्होंने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल कर 6-5 की बढ़त बनाई और फिर लगातार तीन ऐस लगाकर मैच अपने नाम कर लिया।

फोन्सेका ने मुस्कुराते हुए कहा

मुझे खुद भी विश्वास नहीं हो रहा कि अंत में मैंने लगातार तीन ऐस लगाए। ऐसा मैंने पहले कभी नहीं किया था। उस समय मैं खुद को जान इस्नर जैसा महसूस कर रहा था।

पहली बार मिलेगा नया ग्रैंड स्लैम चैंपियन

फ्रेंच ओपन 2026 में अब नया पुरुष एकल चैंपियन मिलना तय है। गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ कलाई की चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके, जबकि विश्व नंबर एक यानिक सिनर और अब नोवाक जोकोविच भी बाहर हो चुके हैं। फोन्सेका अब अगले दौर में टामी पाल और कैस्पर रूड के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे।

आईपीएल 2026 : आरेंज कैप पर सूर्यवंशी का कब्जा, गेंदबाजों में रबाडा सबसे आगे

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के दूसरे क्वालिफायर में भले ही राजस्थान रायल्स का सफर समाप्त हो गया, लेकिन 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पूरे टूर्नामेंट में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से आरेंज कैप की दौड़ में बड़ा अंतर बना लिया। दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा पर्पल कैप की रेस में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

आरेंज कैप की दौड़ में सूर्यवंशी सबसे आगे - गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 में वैभव सूर्यवंशी ने 47 गेंदों में 96 रनों की विस्फोटक पारी खेली। हालांकि वह शतक से चूक गए, लेकिन इस पारी के साथ उन्होंने सीजन का समापन 776 रन के साथ किया। पूरे टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट 237.30 रहा, जो किसी भी बल्लेबाज के लिए असाधारण माना जा रहा है। सूर्यवंशी ने इस सीजन कई रिकार्ड तोड़े और लगातार बड़े स्कोर बनाकर खुद को आईपीएल का सबसे बड़ा युवा सितारा साबित किया।

शुभमन गिल और साई सुदर्शन के पास अभी मौका - गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने क्वालिफायर-2 में 53 गेंदों पर 104 रनों की कप्तानी पारी खेली। इस शतक के साथ उनके सीजन में कुल रन 722 हो गए हैं। वह सूर्यवंशी से 54 रन पीछे हैं, लेकिन उनके पास फाइनल मुकाबला खेलने का अवसर है। वहीं सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 32 गेंदों में 58 रन बनाए और अपने कुल रन 710 तक पहुंचा दिए। सुदर्शन भी फाइनल में बड़ी पारी खेलकर आरेंज कैप की दौड़ को रोचक बना सकते हैं। हालांकि रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 600 रन के साथ पीछे हैं और उनके लिए आरेंज कैप जीतना अब बेहद कठिन नजर आ रहा है।

आरेंज कैप सूची

- 1. वैभव सूर्यवंशी (राजस्थान रायल्स) - 776 रन
- 2. शुभमन गिल (गुजरात टाइटंस) - 722 रन*
- 3. साई सुदर्शन (गुजरात टाइटंस) - 710 रन*

(*फाइनल खेलना बाकी)

पर्पल कैप पर रबाडा का कब्जा

पूरे सीजन पर्पल कैप पर काबिज रहे भुवनेश्वर कुमार को आखिरकार कागिसो रबाडा ने पीछे छोड़ दिया है। क्वालिफायर-2 में रबाडा ने ध्रुव जुरेल और वैभव सूर्यवंशी के महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी कुल विकेट संख्या 28 तक पहुंचा दी। अब वह भुवनेश्वर कुमार (26 विकेट) से दो विकेट आगे हैं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों गेंदबाज फाइनल में आमने-सामने होंगे।

आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला टीमें अगले साल होने वाले आईआईएचएफ आइस हाकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी है। भारतीय टीमों को इसमें डिविजन 4 में रखा गया है। आइस हाकी वर्ल्ड चैंपियनशिप अगले साल 14 से 30 मई के बीच जर्मनी के डसेलडोर्फ और मैनहेम में होगी। इसके लिए पुरुष, महिला टीमें राष्ट्रीय शिविरों, खिलाड़ियों के मूल्यांकन, कोचिंग कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी अनुभव को सहारा लेंगी। भारत साल 1989 से ही अंतरराष्ट्रय आइस हाकी फेडरेशन का पूर्ण सदस्य रहा है। भले ही भारतीय टीमों का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंट्स में कुछ खास नहीं रहा हो पर वह लगातार बेहतर करती आई है। देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक (भारत का एकमात्र ओलंपिक-आकार का इनडोर आइस रिंक है) इसमें आयोजित 2025 नेशनल आइस हाकी चैंपियनशिप ने पुरुष, महिला और युवा श्रेणियों की टीमों को बेहतर अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है। यूएई में आयोजित आईआईएचएफ महिला एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा था। अब विश्व वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में महिला और पुरुष दोनो ही वर्ग में अंडर-20 टीमों को भी शामिल करना एक और अहम सफलता है। इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव मिलेगा।

अंडर-18 महिला एशिया कप: नूशीन नाज़ के दम पर भारत ने मलेशिया को 2-1 से हराया

काकामिगहारा (जापान)

भारतीय अंडर-18 महिला हाकी टीम ने अंडर-18 एशिया कप 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए अपने पहले पूल-ए मुकाबले में शनिवार को मलेशिया को 2-1 से पराजित किया। 15 वर्षीय फारवर्ड नूशीन नाज़ ने दोनों गोल दागकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। मुकाबले के पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला और कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने दबाव बढ़ाया और 19वें मिनट में मिले पेनल्टी कार्नर को नूशीन नाज़ ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। अच्छी लय में दिख रही नूशीन यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने 28वें मिनट में एक तेज और सटीक शाट लगाकर मलेशियाई गोलकीपर को छकाया और भारत की बढ़त 2-0 कर दी। इसके साथ ही भारत ने हाफ टाइम तक मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली। दूसरे हाफ में मलेशिया ने वापसी की कोशिश की और 41वें मिनट में नूर अजली ने गोल कर अंतर को 2-1 कर दिया। इसके बाद मलेशिया ने बराबरी हासिल करने के लिए लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कोई और मौका नहीं दिया। पूरे मुकाबले में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और कुल 16 पेनल्टी कार्नर अर्जित किए। हालांकि टीम इनमें से केवल दो मौकों को गोल में बदल सकी, लेकिन नूशीन नाज़ के दोनों गोल अंततः जीत का अंतर साबित हुए। इस जीत के साथ भारत ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और फिलहाल पूल-ए में दूसरे स्थान पर है। भारत और कोरिया दोनों के तीन-तीन अंक हैं, लेकिन बेहतर गोल अंतर के आधार पर कोरिया शीर्ष पर बना हुआ है। भारतीय टीम अब अपने अगले पूल मुकाबले में 31 मई 2026 को कोरिया का सामना करेगी। मुकाबला पूल की शीर्ष टीम तय करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

महिला त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला: वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 25 रन से हराया, लगातार दूसरी जीत दर्ज

डबलिन

कप्तान हेली मैथ्यूज़, जैनिलिया ग्लासगो और चिनेल हेनरी की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को महिला त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला में पाकिस्तान को 25 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

आयरलैंड के खिलाफ पहला मुकाबला जीतने के महज 24 घंटे बाद वेस्टइंडीज ने एक और दमदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को मुकाबले में वापसी का मौका नहीं दिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज को शुरुआती झटका नहीं लगा और कप्तान हेली मैथ्यूज़ ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने केवल 20 गेंदों पर 40 रन बनाए, जिसमें नौ चौके शामिल थे।

उनके आउट होने के बाद अनुभवी स्टेफनी टेलर ने पारी को संभालते हुए 39 रन का योगदान दिया।

मध्यक्रम और डेथ ओवरों में जैनिलिया ग्लासगो तथा चिनेल हेनरी ने पाकिस्तान के गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किया। ग्लासगो ने 25 गेंदों पर 42 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि हेनरी 17 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाकर लौटीं। इन पारियों की बदौलत वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहले चार ओवरों में ही तीन विकेट गंवा दिए। चिनेल हेनरी ने मुनीबा अली और आयशा जफर को आउट कर पाकिस्तान को दबाव में ला दिया। हालांकि इसके बाद सायरा जबीन ने 19 गेंदों पर 30 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया। रमीम शमीम और इरम जावेद ने भी अच्छी शुरुआत की, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। निचले क्रम में आलिया रियाज़ ने 28 गेंदों पर 37 रन और कप्तान फातिमा सना ने 14 गेंदों पर 27 रन की तेज पारी खेलकर मुकाबले को रोचक बनाने की कोशिश की, लेकिन वेस्टइंडीज की गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान लक्ष्य से काफी दूर रह गया।

पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 174 रन ही बना सकी और वेस्टइंडीज ने 25 रन की जीत के साथ अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

संक्षिप्त स्कोर

वेस्टइंडीज महिला: 20 ओवर में 199/6 (जैनिलिया ग्लासगो 42, हेली मैथ्यूज़ 40; रमीम शमीम 2/27)

पाकिस्तान महिला: 20 ओवर में 174/8 (आलिया रियाज़ 37; चिनेल हेनरी 2/13, शानिशा हेक्टर 2/21)

परिणाम: वेस्टइंडीज महिला टीम 25 रन से विजयी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अगले कुछ हफ्तों में होगा: राजदूत गोर

समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि दल अगले सप्ताह नई दिल्ली आएगा

नई दिल्ली

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में घोषणा की है कि भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता अगले कुछ हफ्तों और महीनों में अंतिम रूप ले लेगा और उस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। यह जानकारी उन्होंने यूएस-इंडिया ट्रस्ट इनिशिएटिव में अनुसंधान और नवाचार में साझेदारी को बढ़ावा देने के मुद्दे पर दी, जहां उन्होंने दोनों देशों के बीच नवाचार और निवेश से प्रेरित रणनीतिक साझेदारी पर भी जोर दिया। राजदूत गोर ने बताया कि इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की एक उच्चस्तरीय दल अगले सप्ताह नई दिल्ली पहुंच रहा है, ताकि व्यापार के अंतिम एक प्रतिशत पर चर्चा और निर्णय लिया जा सके। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका और भारत एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापार भागीदारों में बने हुए हैं। गोर ने कहा, महत्त्वपूर्ण बात यह है कि यह डिजिटल व्यापार और उन्नत विनिर्माण से लेकर ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियों तक, नवाचार, निवेश और उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों द्वारा तेजी से संचालित हो रहा है। उन्होंने बताया कि व्यापार में यह वृद्धि न केवल दोनों देशों की बड़ी कंपनियों को लाभ पहुंचा रही है, बल्कि स्टार्टअप्स और व्यक्तिगत उद्यमियों की भी मदद कर रही है।

युद्ध के डर से बढ़ी उर्वरक बिक्री, बढ़ी आयात लागत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने के बाद से भारतीय किसानों में उर्वरक की उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसके चलते देश में यूरिया और डाई अमोनिया फास्फेट (डीएपी) की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। खरीफ सम्मेलन में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, किसानों द्वारा घबराहट में की गई खरीद, अत्यधिक भंडारण और जमाखोरी के कारण मार्च से मई के बीच यूरिया की बिक्री में लगभग 10 फीसदी और डीएपी की बिक्री में लगभग 39 फीसदी का उछाल आया है। इसके साथ ही, युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर उर्वरक आयात की लागत में भी भारी वृद्धि हुई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि युद्ध के बाद से यूरिया की दैनिक बिक्री सामान्य 40,000-45,000 टन से दोगुनी होकर लगभग 80,000-85,000 टन हो गई है। 1 मार्च से 25 मई के बीच उपभोक्ताओं ने कुल 50.5 लाख टन यूरिया और 12.4 लाख टन डीएपी खरीदी, जो पिछले साल की इसी अवधि से क्रमशः 4.5 लाख टन और 3.5 लाख टन अधिक है। मुख्य रूप से महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में यह अतिरिक्त खरीद देखी गई है। सरकार ने ऐसे 100 जिलों की पहचान की है जहां उर्वरक की बिक्री सामान्य से बहुत अधिक हुई है, जिन पर नजर रखी जा रही है। युद्ध ने उर्वरक लागत को भी बढ़ा दिया है।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई की बहीखाते में रिकार्ड वृद्धि, डिजिटल रुपये को मिलेगा विस्तार, विदेशी मुद्रा लेनदेन से आय में 52 फीसदी उछाल

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 में अपने बहीखाते और विदेशी मुद्रा लेनदेन से होने वाली आय में रिकार्ड वृद्धि दर्ज की है। इस शानदार प्रदर्शन के कारण केंद्रीय बैंक ने सरकार को अब तक का सर्वाधिक लाभांश देने की घोषणा की है। साथ ही, आरबीआई देश में केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के उपयोग को व्यापक बनाने और सीमा पार लेनदेन में इसकी संभावनाओं को तलाशने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से आरबीआई की आय लगभग 52 फीसदी बढ़कर 1.69 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष 1.11 लाख करोड़ रुपये थी। इस दौरान आरबीआई का कुल बहीखाता 15.72 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 91.97 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक का सरप्लस भी 6.7% बढ़कर 2,86,588.46 करोड़ रुपये रहा। संपत्तियों में यह वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू निवेश (44.9 फीसदी), स्वर्ण भंडार (63.8 फीसदी) और विदेशी निवेश (7.9 फीसदी) में बढ़ोतरी के कारण हुई है। आरबीआई इस वित्त वर्ष में डिजिटल रुपये को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं और घरेलू खुदरा क्षेत्र में लागू करने की तैयारी में है। केंद्रीय बैंक सीमा पार लेनदेन में भी सीबीडीसी के उपयोग की संभावनाओं को तलाश रहा है, जिसके लिए सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के केंद्रीय बैंकों के साथ बातचीत जारी है। आरबीआई बैंक फार इंटरनेशनल सेटलमेंट्स की बहुपक्षीय पहलों का भी हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सीबीडीसी के माध्यम से सीमा पार भुगतान को अधिक प्रभावी बनाना है।

पेट्रोल-डीजल के दाम नोएडा में बढ़े लखनऊ-पटना को मिली राहत

ब्रेंट क्रूड 91 डालर के करीब पहुंचा, डब्ल्यूटीआई भी फिसला

नई दिल्ली

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है, जहां ब्रेंट क्रूड का भाव फिसलकर 91 डालर प्रति बैरल के करीब आ गया है। इस नरमी के बावजूद भारतीय घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के खुदरा दामों पर इसका असर असमान रूप से दिखाई दिया। शनिवार सुबह जारी सरकारी तेल कंपनियों के ताजा अपडेट के अनुसार देश के चारों प्रमुख महानगरों में ईंधन की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, लेकिन कुछ शहरों में इनमें बढ़ोतरी दर्ज की गई है, वहीं कुछ को हल्की राहत भी मिली है। बीते 24 घंटों में वैश्विक कच्चे तेल के बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 2 डालर फिसलकर 91.12 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जो पहले से ही नरमी का संकेत था। वहीं अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड भी नीचे आया है और अब 87.36 डालर प्रति बैरल के भाव से कारोबार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई यह कमी आमतौर पर घरेलू बाजार में ईंधन के दाम घटाने का संकेत देती है। हालांकि शनिवार को देश के प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल 111.18 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके विपरीत कई शहरों में दाम बदल गए हैं। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पेट्रोल 16 पैसे महंगा होकर 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 12 पैसे बढ़कर 95.56 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, यूपी की राजधानी लखनऊ में उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है, जहां पेट्रोल 15 पैसे सस्ता होकर 101.89 रुपये लीटर और डीजल 17 पैसे घटकर 95.36 रुपये लीटर पर आ गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 4 पैसे की गिरावट के साथ 113.68 रुपये लीटर और डीजल 3 पैसे सस्ता होकर 99.68 रुपये लीटर बिक रहा है।

नौकरियों पर छंटनी, प्रापर्टी पर नहीं, संकट में भी रियल एस्टेट की जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली। ईरान संकट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रसार और नौकरियों में छंटनी जैसे वैश्विक और घरेलू आर्थिक चुनौतियों के बावजूद, भारतीय रियल एस्टेट बाजार ने अप्रत्याशित लचीलापन दिखाते हुए मजबूत वृद्धि दर्ज की है। एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार देश के 8 प्रमुख शहरों में इस साल जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान प्रापर्टी की मांग और कीमतों में उल्लेखनीय उछाल आया है, जिसमें आईटी हब बेंगलुरु ने दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े बाजारों को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की है। यह रुझान मजबूत मांग और बाजार की अंतर्निहित स्थिरता का स्पष्ट संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि देश के 8 प्रमुख शहरों में इस साल पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान घरों की औसत कीमतों में सालाना आधार पर 3 से 24 फीसदी तक की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस रिपोर्ट में अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), पुणे और दिल्ली-एनसीआर के प्राथमिक आवास बाजार को शामिल किया गया है। रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक बेंगलुरु में आवास कीमतें 24 फीसदी बढ़कर 9,785 रुपये प्रति वर्ग फुट पहुंच गईं, जो सभी प्रमुख शहरों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आईटी सिटी में लगातार बढ़ती प्रापर्टी की डिमांड का परिणाम है, जहां कुछ पाश इलाकों में किराये भी 1 लाख रुपये प्रति माह से ऊपर जा चुके हैं। अन्य प्रमुख शहरों में भी कीमतों में मजबूती देखी गई। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में प्रापर्टी की कीमतें जनवरी-मार्च तिमाही में 20 फीसदी बढ़कर 15,120 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं। दिल्ली-एनसीआर में 18 फीसदी की वृद्धि के साथ औसत कीमत 9,534 रुपये प्रति वर्ग फुट रही, जबकि पुणे और हैदराबाद में क्रमशः 12 फीसदी और 11 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

नए माडल और फेसलिफ्ट वर्जन लान्च करने की तैयारी में मारुति

नई दिल्ली

बाजार में एसयूवी गाड़ियों की बढ़ती मांग को देखते हुए मारुती सुजुकी अपनी एसयूवी रेंज को और मजबूत करने की तैयारी में जुट गई है। मारुति सुजुकी जल्द ही कई नए माडल और फेसलिफ्ट वर्जन लान्च करने जा रही है। इन गाड़ियों की टेस्टिंग लगातार की जा रही है और इनमें आधुनिक फीचर्स के साथ बेहतर माइलेज व सुरक्षा तकनीक देखने को मिल सकती है।

सबसे पहले कंपनी अपनी लोकप्रिय ब्रेजा एसयूवी का फेसलिफ्ट माडल पेश कर सकती है। हाल ही में इसे टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। नई ब्रेजा में बदले हुए बंपर, नए फाग लैंप और आकर्षक अलाय व्हील्स मिलने की संभावना है। इंटीरियर में बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वेंटिलेटेड सीटें और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें फ्रोंक्स वाला 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे कीमत और टैक्स दोनों नियंत्रित रहेंगे। कंपनी अपनी लोकप्रिय फ्रोंक्स एसयूवी का हाइब्रिड माडल भी लाने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि यह गाड़ी करीब 35 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज दे सकती है। इसके अलावा फ्रोंक्स का फ्लेक्स-फ्यूल संस्करण भी तैयार किया जा रहा है, जो ई85 ईंधन पर चलेगा। इसे त्योहारी सीजन के आसपास लान्च किया जा सकता है।

मारुति अपनी ग्रैंड विटारा एसयूवी को भी नए अंदाज में पेश करने वाली है। फेसलिफ्ट माडल में नई ग्रिल, अपडेटेड बंपर, एलईडी लाइट्स और 17 इंच के अलाय व्हील्स देखने को मिल सकते हैं। केबिन में बड़ा इंफोटेनमेंट सिस्टम और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से इसमें लेवल-2 एडास तकनीक भी जोड़ी जा सकती है। पैनोरमिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा, हेड्स-अप डिस्प्ले और 6 एयरबैग जैसे प्रीमियम फीचर्स इसमें दिए जा सकते हैं। इसकी संभावित कीमत 18 लाख से 25 लाख रुपये के बीच बताई जा रही है। इसके अलावा कंपनी ग्रैंड विटारा प्लेटफार्म पर आधारित नई 7-सीटर फ्लैगशिप एसयूवी पर भी काम कर रही है। इस गाड़ी में लंबा व्हीलबेस और तीसरी पंक्ति में ज्यादा जगह मिलने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आस्था ...

उनका कहना है कि बाबा के दर्शन के लिए निकले हैं तो जाम जैसी परेशानी उनके उत्साह को कम नहीं कर सकती। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की रिकॉर्ड भीड़ का सीधा फायदा होटल उद्योग को मिल रहा है। जोशीमठ, बदरीनाथ, गोविंदघाट और आसपास के क्षेत्रों में अधिकांश होटल और गेस्ट हाउस लगभग पूरी तरह भर चुके हैं। होटल एसोसिएशन जोशीमठ के अध्यक्ष अजय भट्ट के अनुसार इस बार पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है। कई होटल पहले से बुक हैं और यात्रियों को अंतिम समय में कमरा ढूंढने में परेशानी हो रही है।

स्वास्थ्य चुनौतियां बढ़ीं, 40 मौतों की पुष्टि

रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के साथ स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। चमोली जिला प्रशासन के अनुसार बदरीनाथ यात्रा के दौरान अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु ऊंचाई वाले इलाकों में पहुंचने के बाद स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। वहीं जोशीमठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर गौतम के अनुसार रोजाना 20 से अधिक श्रद्धालुओं को बदरीनाथ धाम से रेफर करना पड़ रहा है।

डॉक्टरों का कहना है कि दिल्ली, मुंबई और अन्य मैदानी शहरों से सीधे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पहुंचने पर सांस और हृदय संबंधी मरीजों को अधिक परेशानी हो रही है। विशेषज्ञ यात्रियों को सलाह दे रहे हैं कि वे चरणबद्ध तरीके से यात्रा करें और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जाने से पहले निचले इलाकों में कुछ समय अवश्य रुकें।

स्थानीय लोगों और पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों का मानना है कि इस बार यात्रा में संख्या संबंधी नियंत्रण लगभग समाप्त होने से दबाव बढ़ा है। बदरीनाथ धाम में मई और जून जैसे पीक सीजन के दौरान भागवत कथा कार्यक्रमों को भी अनुमति दी गई है। इससे श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ी है। परिणामस्वरूप होटल कम पड़ने लगे हैं, सड़कें जाम से भर रही हैं और दर्शन व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ रहा है। वीआईपी लाइन में भी लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। आने वाले दिनों में जून के महीने में भीड़ और बढ़ने की संभावना है, ऐसे में प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस विशाल जनसैलाब को सुरक्षित और सुचारु तरीके से संभालने की होगी।

फिलहाल उत्तराखंड के पहाड़ों पर आस्था, पर्यटन और प्रकृति का ऐसा संगम देखने को मिल रहा है, जिसने चारधाम यात्रा को एक बार फिर देश की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में शामिल कर दिया है।

कर्नाटक में ...

इसी केस में वह 2019 में गिरफ्तार हुए। उन्हें 50 दिन तिहाड़ में बिताने पड़े थे। सीबीआई आय से अधिक संपत्ति के एक मामले में जांच कर रही है।डिप्टी सीएम शिवकुमार के ज्योतिषी द्वारकानाथ गुरुजी ने भविष्यवाणी की है कि शिवकुमार लंबे समय तक सीएम रहेंगे। न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में उन्होंने कहा- मैंने शिवकुमार को शपथ के लिए 31 मई, 5 जून और 6 जून की तारीखें दी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शिवकुमार 2028 के विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में वापसी करेंगे। ज्योतिषी ने कहा, वह कोई एक दिन के मुख्यमंत्री या एक बार के सीएम नहीं हैं। वह एक लंबे समय तक इस पद पर बने रहेंगे। उनकी कुंडली बहुत अच्छी है। वह कर्नाटक के लिए लंबे समय तक काम करेंगे।

भारत बेचेगा...

वियतनाम की डील दरअसल साइन भी हो चुकी है। हालांकि, वियतनाम और इंडोनेशिया की डील की रकम अभी तक सरकारी तौर पर नहीं बताई गई है। आरके सिंह ने समझाया कि भारत उन्हीं देशों को अपनी उन्नत हथियार तकनीक देता है जिन पर भरोसा हो। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों को अपना दोस्त मानता है और उनके साथ उन्नत रक्षा तकनीक साझा करने के लिए तैयार है। दक्षिण-पूर्व एशिया में 11 देश हैं जिनमें ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, तिमोर-लेस्ते और वियतनाम शामिल हैं। अब बात करते हैं असली कारण की तो दक्षिण चीन सागर एक बहुत अहम समुद्री रास्ता है जहां से दुनिया का बहुत बड़ा व्यापार गुजरता है। फिलीपींस, वियतनाम और कई अन्य दक्षिण-पूर्व एशिया देशों का चीन के साथ इस समुद्री इलाके को लेकर विवाद है। चीन इस पर अपना दावा करता है जबकि ये देश इसे नहीं मानते। ऐसे में भारत का ब्रह्मोस मिसाइल बेचना सिर्फ एक हथियार सौदा नहीं है, बल्कि इस पूरे इलाके में रणनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश भी है।

आरके सिंह ने यह भी बताया कि भारत पिछले एक दशक में अपने रक्षा उत्पादन में बड़े बदलाव लाया है। प्राइवेट कंपनियों को मौका दिया गया है, छोटे-मध्यम उद्योगों और स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जा रहा है और दूसरे देशों के साथ मिलकर हथियार बनाने की कोशिश हो रही है। भारत के सरकारी रक्षा कंपनियों की हिस्सेदारी कुल रक्षा उत्पादन में करीब 72 फीसदी है, बाकी 28 फीसदी प्राइवेट सेक्टर का है। भारत की तीन सरकारी रक्षा कंपनियां दुनिया की टॉप 100 हथियार बनाने वाली कंपनियों में शामिल हैं।

दिल्ली में...

स्थानीय लोगों ने भी तुरंत बचाव कार्य में सहयोग शुरू कर दिया था। अभी तक हताहतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फायर सर्विस, पुलिस और अन्य एजेंसियां मौके पर सक्रिय हैं। फिलहाल हताहतों की संख्या को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। प्रशासन ने इलाके को घेरकर राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना प्राथमिकता है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सीएम रेखा गुप्ता ने लिया जायजा, युद्धस्तर राहत कार्य

इस संबंध में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साकेत मेट्रो स्टेशन के पास इमारत ढहने की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद एनडीआरएफ, दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस, डीडीएमए, एमसीडी, कैट्स और सिविल डिफेंस की टीमें युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने और प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सभी एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ काम कर रही हैं। नागरिकों की सुरक्षा और कुशलक्षेम सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अभिषेक ....

बारिश के दौरान यहां पानी भर जाता है।

लोगों का कहना है कि जब ममता बनर्जी मुख्यमंत्री थीं, तब कई बार उनसे गुजारिश की गई, आवेदन दिए गए। सड़कें ठीक कराने और पानी की सप्लाई व्यवस्था सुधारने की मांग की गई। लेकिन किसी ने कभी ध्यान नहीं दिया। किसी ने उनके बारे में नहीं सोचा।

इसी वजह से जब सांसद होने के नाते अभिषेक बनर्जी यहां पहुंचे, तो लोगों ने सवाल उठाया कि पंद्रह साल से सत्ता में रहने के बावजूद इस इलाके का विकास क्यों नहीं हुआ। इन्हीं मुद्दों को लेकर लोगों में गुस्सा था। उनके खिलाफ लगातार नारेबाजी की गई और उन पर अंडे भी फेंके गए।

अभिषेक बनर्जी ने अपने पर हुए हमले के बाद भाजपा पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने अपनी स्थिति दिखाते हुए कहा, यह सब पूरी तरह से भाजपा द्वारा प्रायोजित है। आप खुद देख सकते हैं कि आज मेरा क्या हाल किया गया है। यह इनके लोकतंत्र का असली नमूना है। सबसे बड़ी बात यह है कि मौके पर कहीं भी पुलिस दिखाई नहीं दे रही थी।

पहले व्हीलचेयर, फिर स्ट्रेचर पर दिखे अभिषेक

इस हमले के बाद अभिषेक की तबीयत को लेकर हलचल मच गई और उन्हें पहले अपोलो अस्पताल ले जाया गया। अपोलो अस्पताल ने कहा कि अभिषेक घर पर आराम कर सकते हैं। अस्पताल की इस सलाह पर ममता भड़क गईं और फिर दूसरे अस्पताल का रुख किया गया, जहां अभिषेक का इलाज कराया गया।

इलाज के बाद ममता बनर्जी ने बताया है कि अभिषेक का ट्रीटमेंट अब घर पर ही होगा। उन्हें घर पर भेज दिया गया है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की ओर से अस्पताल को धमकी मिल रही है।

हमले के बाद अभिषेक बनर्जी की जांच के लिए उन्हें व्हीलचेयर पर अपोलो अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उनकी जांच की और एक मेडिकल रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में कहा गया कि अभिषेक घर पर आराम कर सकते हैं और उन्हें बस आराम करने की जरूरत है। यानी अस्पताल में भर्ती करने की कोई जरूरत नहीं थी।

ममता भड़कीं, बोलीं- शासक ही हत्यारे बन गए

अपोलो अस्पताल की रिपोर्ट में घर पर आराम की बात कही गई, लेकिन ममता बनर्जी संतुष्ट नहीं हुईं। वो खुद अभिषेक की हालत पर लगातार नजर बनाए हुए थीं। उनकी चोटें और शारीरिक हालत देखकर ममता बनर्जी ने फैसला किया कि सिर्फ एक अस्पताल की राय काफी नहीं है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री ममता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, शासक ही हत्यारे बन गए। ममता बनर्जी ने अभिषेक को बेलव्यू अस्पताल ले जाने का फैसला किया, ताकि डॉक्टरों की एक और टीम उनकी हालत को अच्छे से देख सके और पूरी तरह जांच कर सके। यानी पार्टी नेतृत्व कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहता था। ममता बनर्जी ने कहा कि अभिषेक के 3डी सीटी स्कैन, यूएसजी और थोरैसिक (छाती से जुड़े) टेस्ट किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके शरीर में खून के थक्के (ब्लड क्लॉट्स) पाए गए हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर उनकी हालत गंभीर नहीं थी, तो उन्हें आईटीयू (इंटेंसिव ट्रीटमेंट यूनिट) में क्यों रखा गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बाद में दबाव के कारण उन्हें वहां से बाहर कर दिया गया। ममता बनर्जी ने राजनीतिक टिप्पणी करते हुए कहा कि दिल्ली के बीजेपी नेता उतने खराब नहीं हैं, जितने बंगाल में कुछ नेता हैं। सोनारपुर इलाके में अभिषेक बनर्जी चुनावी हिंसा में घायल हुए लोगों के परिवार से मिलने गए थे। इसी दौरान उनपर भीड़ ने हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गए। सुरक्षाकर्मियों ने घेरा बनाकर फिर उस जगह से निकाला। इस हमले को लेकर टीएमसी ने प्रदेश की सरकार को घेरा है।

13 जहाजों को...

मिशन की मदद से देश छोड़ने का आग्रह किया है।

पोर्ट्स, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय में निदेशक ओ-पेश कुमार शर्मा ने बताया कि हार्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे भारतीय जहाजों की सहायता के लिए एक प्लान तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा, हमारी प्राथमिकता अपने जहाजों को वहां से सुरक्षित निकालने की है। फिलहाल वहां भारतीय झंडे वाले लगभग 13 जहाज मौजूद हैं, जिनमें एक एलपीजी टैंकर, पांच कच्चे तेल के टैंकर, एक केमिकल या प्रोडक्ट टैंकर, तीन कंटेनर जहाज, दो बल्क कैरियर और एक ड्रेजर शामिल हैं।

अधिकारियों के अनुसार, इन जहाजों में कच्चे तेल के टैंकर, कंटेनर शिप, बल्क कैरियर और ड्रेजर शामिल हैं। खाड़ी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंताओं के बीच सरकार इनके आवागमन पर करीबी नजर रख रही है।

शर्मा ने यह भी बताया कि मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला कच्चे तेल का टैंकर निसोस केरोस'25 और 26 मई की रात सुरक्षित रूप से हार्मुज स्ट्रेट पार कर चुका है। यह जहाज लगभग 2.7 लाख मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर आ रहा है और 3 जून 2026 को विशाखापत्तनम पहुंचने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, इस जहाज पर सभी चालक दल के सदस्य विदेशी हैं। क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और भारतीय या विदेशी झंडे वाले किसी भी कमर्शियल जहाज पर भारतीय नाविकों से जुड़ी किसी घटना की सूचना नहीं मिली है।

मंत्रालय के अनुसार, क्षेत्र में भारतीय और विदेशी झंडे वाले जहाजों पर सवार सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं।

समुद्र में फंसे नाविकों के लिए इमरजेंसी कंट्रोल सेंटर

शिपिंग महानिदेशालय (डीजी शिपिंग) के इमरजेंसी कंट्रोल सेंटर को नाविकों और उनके परिवारों से लगातार बड़ी संख्या में कॉल और ईमेल मिल रहे हैं। कंट्रोल सेंटर एक्टिव होने के बाद से अब तक 10,800 से अधिक कॉल और 24,000 से ज्यादा ईमेल मिले हैं।

शर्मा ने बताया, पिछले 96 घंटों में ही नाविकों, उनके परिवारों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों की ओर से 500 कॉल और 1,332 ईमेल मिले हैं।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय अब तक खाड़ी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से 3,422 से अधिक भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस लाने में मदद की है, जिनमें पिछले 96 घंटों के दौरान वापस लाए गए 47 नाविक भी शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के सभी बंदरगाह सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और कहीं भी भीड़भाड़ की स्थिति नहीं है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 31 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर भव्य एकता महासम्मेलन आज

नुमाइश मैदान में शाम 5 बजे से होगा आयोजन, तैयारियों को अंतिम रूप

देशभर के संत, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

रात्रि 9 बजे से विशाल लोक डायरो में गुजरात के प्रसिद्ध कलाकार देंगे प्रस्तुति

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत भारती के तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में रविवार, 31 मई 2026 को हैदराबाद के नामपल्ली स्थित नुमाइश मैदान में भव्य सरदार पटेल एकता महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन एक भारत, श्रेष्ठ भारत, सशक्त भारत के संकल्प के साथ किया जा रहा है। भारत भारती के अध्यक्ष विनय पत्राले ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए शनिवार शाम एक विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीआरपीएफ बटालियन प्रभारी, विभिन्न राज्यों के समन्वयक, 21 राज्यों के स्टॉल प्रभारी एवं आयोजन समिति के सदस्यों के साथ व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में जसमत पटेल, आले भास्कर, संजय घनाटे, डॉ. मीनाक्षी, ग्राउंड एवं मीडिया समन्वयक डी. आनंद गुप्ता, बलवंत चारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अनेक संत-महात्मा एवं गणमान्य अतिथि होंगे शामिल

आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में गोवत्स राधाकृष्ण महाराज, विख्यात कथावाचक श्री राजयोगी, मेवाड़ मठाधीश श्री श्री रोहित गोपाल 'सुत जी' महाराज, स्वयंभू माँ कामाख्या पीठ के पीठाधीश्वर, राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, गोवत्स फाउंडेशन के अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड़ सहित अनेक संत, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी भाग लेंगे।

इसके अलावा समाजसेवी हरीनारायण व्यास, श्याम बाबा मंदिर काचीगुड़ा के इंद्रकरण अग्रवाल, रामदेव अग्रवाल, प्रमोद गोयनका, वल्लभ यूथ ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष विनोद पटेल, डेनीश पटेल, कौशिक पटेल तथा अन्य पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है।

कार्यक्रम में लस्कर मठ, बेगमबाजार किन्नर भवन, रघुवंशी भगिनी समाज, बंजारा समिति, गौग्रास सेवा समिति सहित विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

आयोजन समिति के सदस्य जसमत पटेल ने बताया कि महासम्मेलन शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित होगा। इसमें देशभर से आने वाले विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान पर अपने विचार व्यक्त करेंगे।उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का जीवन राष्ट्रीय एकीकरण, दृढ़ नेतृत्व और अखंड भारत की भावना का प्रतीक रहा है। महासम्मेलन का उद्देश्य युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरित करना है।

रात्रि 9 बजे से होगा विशाल लोक डायरो

महासम्मेलन के उपरांत रात्रि 9 बजे से विशाल लोक डायरो का आयोजन किया जाएगा। इसमें गुजरात की सुप्रसिद्ध लोक गायिका हेतल वैद्य, लोक गायक जयदीप भाटी, लोक साहित्यकार आनंदभा गढ़वी तथा साजिंदा ग्रुप के सुरेश पटेल, महेंद्र, मयूर जानी और मेहुल पटेल अपनी प्रस्तुतियां देंगे। आयोजकों ने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं युवाओं से कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया है।

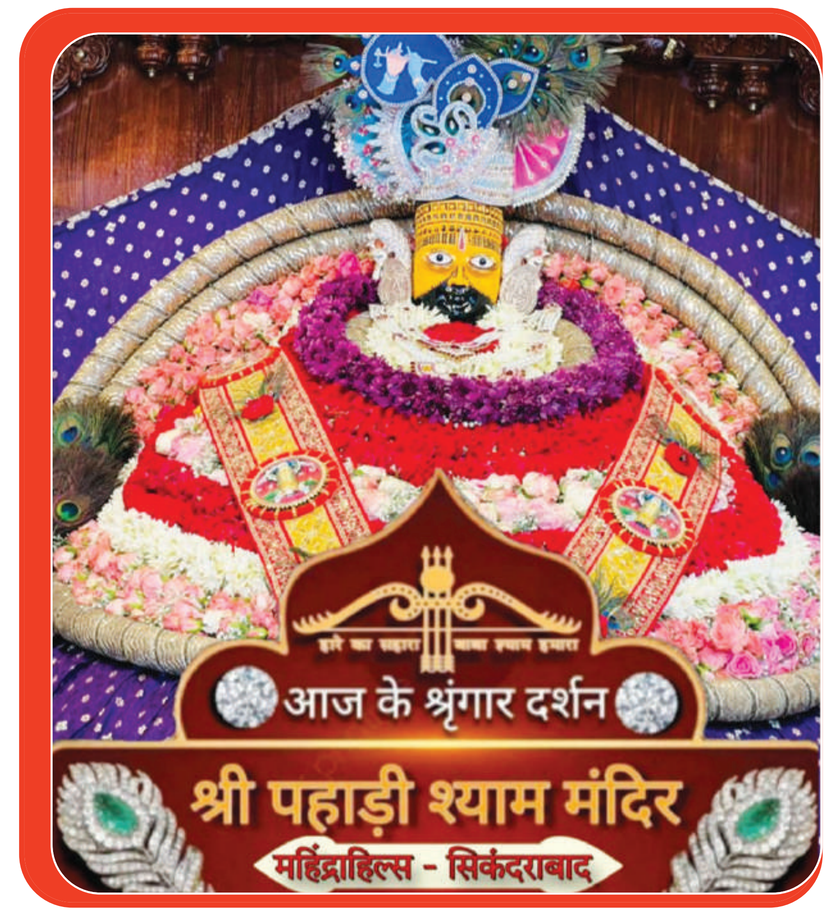

श्री श्याम धणी मित्र मंडल द्वारा पद्मिनी एकादशी के पावन अवसर पर आयोजित श्री श्याम भजन संध्या में दिल्ली एवं प्रयागराज से पधारे कलाकारों सहित हैदराबाद के कलाकारों का श्री लखदातार परिवार के सदस्यों द्वारा पुष्पमालाओं एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

राधे-राधे ग्रुप समाज सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण : जयप्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरण कर मानवता की मिसाल प्रस्तुत की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जयप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्त-रदायित्व का पर्याय बन चुका है। ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य न केवल जरूरतमंद लोगों की सहायता कर रहे हैं, बल्कि समाज में परोपकार और संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसके सेवा कार्यों से होती है और राधे-राधे ग्रुप इस दिशा में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। आज का सेवा कार्यक्रम अनीता पित्ती एवं अनिल पित्ती परिवार की ओर से समर्पित किया गया।

सेवा कार्यक्रम में सतवंती देवी अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल, आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सुशील गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, गजराज श्रीमाल, नंदकिशोर अग्रवाल, महेश अग्रवाल एवं पाबुराम पीपावत सहित अनेक गणमान्य सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से राधे-राधे ग्रुप के सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। सभी ने एक स्वर में कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और मानवता की सेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं।

एनएमडीसी स्टील वित्त वर्ष 26 में शानदार प्रदर्शन व लाभ, अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन और बिक्री दर्ज

उत्पादन में 62% और बिक्री में 74% की वृद्धि; कंपनी ने सकारात्मक पीएटी, पीबीटी तथा ईबीआईटीडीए दर्ज की

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत के सबसे युवा एकीकृत इस्पात उत्पादकों में से एक, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने वित्त वर्ष26 के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा कर दी।एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने वित्त वर्ष 26 में एक ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए लाभ हासिल की तथा वर्ष के दौरान अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन एवं बिक्री दर्ज की , इसके साथ ही वित्त वर्ष, 26 की चौथी तिमाही में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही प्रदर्शन भी दर्ज किया।

एनएमडीसी स्टील ने वित्त वर्ष 26 के दौरान 23.25 लाख मीट्रिक टन का अपना सर्वोच्च वार्षिक उत्पादन तथा 24.55 लाख मीट्रिक टन की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 62% और 74% की वृद्धि दर्शाती है। यह मजबूत प्रचालन प्रदर्शन क्षमता उपयोग में सुधार, बढ़ी हुई दक्षता तथा प्रमुख क्षेत्रों में एनएसएल के उत्पादों की बढ़ती बाजार की मांग को दर्शाता है।

एनएसएल ने प्रचालन प्रारंभ होने के मात्र दो वर्षों के भीतर ही अपनी निर्धारित (रेटेड) उत्पादन क्षमता का 80% हासिल कर लिया, जो नगरनार स्टील प्लांट के प्रचालन दक्षता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उपलब्धि एनएसएल को वैश्विक इस्पात उद्योग में किसी ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात परियोजना के लिए सबसे तेज गति से क्षमता विस्तार करने वाली कंपनियों में शामिल करती है।

एनएसएल ने वित्त वर्ष26 की चौथी तिमाही के दौरान भी अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही प्रदर्शन किया, जिसमें उत्पादन पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 45% बढ़कर 6.42 लाख मीट्रिक टन तथा बिक्री 40% बढ़कर 7.03 लाख मीट्रिक टन हो गई, जो कंपनी की बढ़ती प्रचालन शक्ति और बाजार में मजबूत स्थिति को रेखांकित करती है। इन प्रचालन लाभों के परिणामस्वरूप कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन बेहद मजबूत रहा, जिससे टर्नओवर वर्ष-दर-वर्ष 60% बढ़कर 13,641 करोड़ रुपये हो गया। यह मजबूत विकास बेहतर क्षमता उपयोग, मजबूत बाजार पहुंच तथा प्रमुख क्षेत्रों में एनएसएल के उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादों की बढ़ती मांग को दर्शाता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वित्त वर्ष 26 ने एनएसएल की लाभ में पूर्ण बदलाव व टर्नअराउंड को चिह्नित किया । पिछले वर्ष के 2,373 करोड़ रुपये के हानि के मुकाबले वित्त वर्ष 26 में कर पश्चात लाभ (पीएटी) 58.72 करोड़ रुपये रहा। इस बदलाव की मजबूती को दर्शाते हुए, वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के कर पश्चात लाभ (पीएटी) पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 473 करोड़ रुपये के हानि के मुकाबले लाभ रू 391 करोड़ रुपये हो गया।

एनएमडीसी स्टील ने प्रचालन प्रदर्शन में विशिष्ट सुधार के साथ-साथ अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही उत्पादन और बिक्री दर्ज करते हुए वित्त वर्ष 26 का समापन एक मजबूत रिकार्ड पर किया। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के लिए टर्नओवर वर्ष-दर-वर्ष 37% बढ़कर 3,879 करोड़ रुपये हो गया, जबकि ईबीआईटीडीए पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 271.51 करोड़ रुपये के नकारात्मक ईबीआईटीडीए के मुकाबले 832.09 करोड़ रुपये रहा।

परिणामों पर विचार व्यक्त करते हुए, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा: वित्त वर्ष 26 एनएमडीसी स्टील की यात्रा में एक ऐतिहासिक वर्ष है। प्रचालन के दो वर्षों के भीतर लाभ हासिल करना, हमारा अब तक का सर्वोच्च उत्पादन और बिक्री दर्ज करना तथा लगभग 80% क्षमता उपयोग तक पहुँचना, नगरनार स्टील प्लांट के सफल दृढसंकल्प को दर्शाता है।

जिस प्रकार से हम दक्षताओं में सुधार करना, अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करना और अपनी बाजार उपस्थिति को मजबूत करना जारी है, उसी प्रकार से हम एनएमडीसी स्टील प्लांट की पूर्ण क्षमता उपयोग की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं, इसके साथ ही ऐसे उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादों की आपूर्ति कर रहे हैं जो भारत के इंफ्रास्ट्रकचर तथा औद्योगिक विकास में योगदान देते हैं।

वित्त वर्ष 26 की उपलब्धियां एनएसएल की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। प्रचालन मजबूत होने, लाभ हासिल करने तथा बाजार में पहुंच का निरंतर विस्तार होने के साथ, एनएमडीसी स्टील आने वाले वर्षों में इस गति को आगे बढ़ाने और अपने स्टेकहोल्डर्स के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन हेतु पूरी तरह तैयार व प्रतिबद्ध है।

भड़काऊ बयानों के आरोप में बालका सुमन गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): शनिवार सुबह से ही तेलंगाना भवन में व्याप्त भारी तनाव के बीच, पुलिस ने भारत राष्ट्र समिति के नेता और पूर्व विधायक बालका सुमन को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें नामपल्ली पुलिस स्टेशन स्थानांतरित कर दिया गया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच की गई इस गिरफ्तारी के दौरान पुलिस और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक और नाटकीय दृश्य देखने को मिले, जिसके बाद आखिरकार सुमन को हिरासत में ले लिया गया।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई बालका सुमन द्वारा हाल ही में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड को लेकर दिए गए विवादित बयानों के सिलसिले में दर्ज मामलों के आधार पर की गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने सरकार विरोधी एक उग्र भाषण दिया था, जिसमें कांग्रेस सरकार के खिलाफ विनाशकारी विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया गया था।

अपनी गिरफ्तारी के समय सुमन ने दावा किया कि उन्हें सिंगरेनी श्रमिकों की अनुकंपा नौकरियों की रक्षा के लिए विरोध प्रदर्शन करने और कंपनी के आंतरिक घोटालों को उजागर करने के कारण निशाना बनाया जा रहा है।

राजस्थानी ब्राह्मण समाज हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा परम पूज्य गुरुदेव 1008श्रीमद् दंडी स्वामी शिवेंद्राश्रम जी महाराज के भगवानगंज पारीक भवन पर पधारने पर सभा द्वारा शॉल व माला द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर रामदेव नागला,श्रीगोपाल व्यास, सुरेश कुमार व्यास, दिपक पुरोहित, रमेशचंद्र व्यास व अन्य उपस्थित थे।

अष्टलक्ष्मी देवालयम के नवनियुक्त अध्यक्ष नागमल्ला श्रवण कुमार का सम्मान

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): कांची कामकोटी पीठम के तत्वावधान में संचालित अष्टलक्ष्मी देवालयम के नवनियुक्त अध्यक्ष नागमल्ला श्रवण कुमार का भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। हाल ही में चेयरमैन का पदभार संभालने वाले नागमल्ला श्रवण कुमार को प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने नए अध्यक्ष को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

तेलंगाना पुलिस में व्यापक सुधारों की तैयारी डीजीपी ने नए विशिष्ट विंगों की घोषणा की

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी. वी. आनंद ने आज राज्य भर में प्रभावी कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जवाबदेह व नागरिक-केंद्रित पुलिस सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए पुलिस विभाग में व्यापक सुधारों का आह्वान किया।

प्रभावी पुलिसिंग मानकों को अपनाना विषय पर पुलिस आयुक्तों (कमिशनर्स), पुलिस अधीक्षकों , पुलिस उप-अधीक्षकों , सहायक पुलिस आयुक्तों , सर्कल इंस्पेक्टरों और सब-इंस्पेक्टरों के साथ एक उच्च स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, डीजीपी ने कहा कि पुलिस बल को राज्य सरकार की अपेक्षाओं के अनुरूप बदलती सामाजिक स्थितियों और उभरती चुनौतियों के अनुकूल खुद को ढालना चाहिए। उन्होंने विभाग के भीतर लापरवाही, अनुशासनहीनता, नियमों के उल्लंघन और भ्रष्टाचार को खत्म करने की आवश्यकता पर बल दिया और सभी स्तरों पर सेवा वितरण तथा जवाबदेही में सुधार का आह्वान किया।

पिछले 15 वर्षों में माओवादी और नक्सली गतिविधियों में आई कमी का जिक्र करते हुए आनंद ने कहा कि वर्तमान समय की पुलिसिंग आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए ग्रेहाउंड्स और स्पेशल इंटेलिजेंस ब्रांच (एसआईबी) जैसी विशिष्ट इकाइयों का पुनर्मूल्यांकन और पुनर्गठन करने का समय आ गया है। डीजीपी ने अधिकारियों को नशीले पदार्थों और साइबर अपराध के खिलाफ प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया और इन्हें समाज के लिए बड़ा खतरा बताया।

उन्होंने घोषणा की कि पूरे तेलंगाना में यातायात नियंत्रण और सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए जल्द ही एक समर्पित 'ट्रैफिक मैनेजमेंट एंड रोड सेफ्टी ब्यूरो' (यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा ब्यूरो) स्थापित किया जाएगा। उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक 'फूड एडल्ट्रेशन विंग' (खाद्य मिलावट विंग) बनाने और सरकार को राजस्व के नुकसान को रोकने के लिए सतर्कता एवं प्रवर्तन विभाग को मजबूत करने की योजनाओं का भी खुलासा किया। महिलाओं की सुरक्षा और बाल तस्करी की रोकथाम के महत्व पर जोर देते हुए आनंद ने अधिकारियों को भरोसा केंद्रों और शी टीम्स को और मजबूत करने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि ये मुद्दे शीर्ष प्राथमिकताओं में बने रहें।

पुलिस स्टेशनों में सीसीटीएनएस 2.0 सहित तकनीकी प्लेटफॉर्मों के अपर्याप्त कार्यान्वयन पर चिंता व्यक्त करते हुए, डीजीपी ने सीआईडी और तकनीकी सेवाओं के महानिदेशकों की देखरेख में युवा आईपीएस अधिकारियों की एक विशेष ''डीजीपी टेक टीम'' के गठन की घोषणा की। यह टीम तकनीक-संचालित पुलिसिंग पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी और समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि डेटा विश्लेषण क्षमताओं को बेहतर बनाने और सार्वजनिक सेवाओं को बढ़ाने के लिए 'हॉक आई अल्ट्रा' और 'टीजी-कॉप अल्ट्रा' जैसे उन्नत एप्लिकेशन पेश किए जाएंगे।

डीजीपी ने सभी पुलिस आयुक्तों और एसपी को हर महीने की 15 तारीख तक मासिक अपराध समीक्षा बैठकें आयोजित करने और 20 तारीख तक डीजीपी कार्यालय व सीआईडी को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि विभाग जिलों में पुलिस के प्रदर्शन की निगरानी और मार्गदर्शन के लिए चार विशेष पुलिस उप-महानिरीक्षकों को नियुक्त करने पर विचार कर रहा है। जनता तक पहुंच सुधारने के लिए आनंद ने सभी यूनिट अधिकारियों को हर महीने कम से कम दो औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया और अनिवार्य किया कि प्रत्येक पुलिस इकाई दैनिक रूप से दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे के बीच का समय पीड़ितों की शिकायतों को सुनने और उनके निवारण के लिए समर्पित करे।

पुलिस कल्याण के मुद्दे पर डीजीपी ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न विभागों में लगभग 6,000 करोड़ रुपये के लंबित सेवानिवृत्ति लाभों और अन्य बकाये के संबंध में एक सकारात्मक निर्णय लिया है। इसमें से 2,000 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं, जबकि शेष राशि चरणों में वितरित किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने पुलिस कर्मियों को आश्वासन दिया कि सभी लंबित लाभों का भुगतान कर दिया जाएगा।

इस कॉन्फ्रेंस के दौरान डीजी महेश एम. भागवत, वी. वी. श्रीनिवास राव और चारू सिन्हा सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने विभागीय प्रदर्शन रिपोर्ट प्रस्तुत की। एसपीएफ की महानिदेशक स्वाति लाक्रा और राज्य भर के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस बैठक में भाग लिया।

गीत चाँदनी की मूल्यांकन गोष्ठी और पूर्णिमा कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संसथान के तत्वावधान में प्रतिमास की मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम-344 और पूर्णिमा कवि गोष्ठी का आयोजन रविवार, 31 मई, 2026 को दिन में 1-00 बजे से मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलार सभागृह में संपन्न होगा। साहित्यकार श्रीमती वीणा उदय, कानपुर (उत्तर प्रदेश बतौर विशेष अतिथि मंच की शोभा बढ़ाएँगी।

इस माह की गोष्ठी का विशेष आकर्षण रहेगा श्री पूरन चंद्र शर्मा के संपादन में प्रकाशित होने वाली सर्वदर्शी (सब पर नज़र - सबकी ख़बर) सिलीगुड़ी, जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल) से प्रकाशित हिंदी मासिक समाचार पत्रिका) पत्रिका का प्रकाशन वर्ष-11, अंक : 127,(मई, 2026)। अंक में प्रकाशित सामग्री पर हैदराबाद के सुप्रसिद्ध साहित्यकार मूल्यांकन प्रस्तुत करेंगे।

अग्रवाल समाज ने ज्ञानबाग कॉलोनी में वाटर कूलर स्थापित किया

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज सेवा एवं जनकल्याण के अपने सतत प्रयासों के अंतर्गत अग्रवाल समाज तेलंगाना ने प्रोजेक्ट जल पुट के सहयोग से एक वाटर कूलर मशीन स्थापित कर जनसेवा की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह वाटर कूलर मशीन दुर्गा बाई डाबला परिवार के सौजन्य से तथा कोठापेट शाखा के वरिष्ठ समाजसेवी महेन्द्र अग्रवाल के प्रायोजन में ज्ञानबाग कॉलोनी स्थित शिव मंदिर परिसर में स्थापित की गई।

वाटर कूलर मशीन का उद्घाटन समाज के वरिष्ठ सदस्य सीताराम पोद्दार के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रायोजक महेन्द्र अग्रवाल, अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय पदाधिकारी, विभिन्न शाखाओं के सदस्य तथा ज्ञानबाग कॉलोनी शाखा के गणमान्य सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशेष रूप से केंद्रीय समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य हर गोविंद अग्रवाल, सीमा जैन, प्रतीक अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, सुरेश टंडन, अजय तुलस्यान तथा अशोक जिंदल उपस्थित रहे। सभी ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए इसे समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि भीषण गर्मी के मौसम में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की यह सेवा अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने दुर्गा बाई डाबला परिवार एवं महेन्द्र अग्रवाल के इस जनकल्याणकारी योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए समाज के अन्य सदस्यों से भी ऐसे सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा समय-समय पर चिकित्सा शिविर, रक्तदान, नेत्र चिकित्सा, शिक्षा सहायता एवं अन्य सामाजिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज एवं आमजन की सेवा की जाती रही है। जल सेवा परियोजना भी इसी शृंखला का एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक प्रयास है, जो सेवा, सहयोग और मानव कल्याण के प्रति समाज की प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करता है।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आशा व्यक्त की कि इस प्रकार की जनहितकारी परियोजनाएं भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगी और अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करेंगी।

उर्दू के महान शायर डॉ. बशीर बद्र के निधन पर 'सांझ के साथी' ने जताया शोक

साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति, हैदराबाद की यादें आज भी ताजा : अजित गुप्ता

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्वभर में अपनी ग़ज़लों और शायरी के लिए प्रसिद्ध उर्दू के प्रतिष्ठित शायर डॉ. बशीर बद्र के 91 वर्ष की आयु में निधन पर नगर की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था सांझ के साथी ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

संस्था के अध्यक्ष अजित गुप्ता ने कहा कि डॉ. बशीर बद्र के निधन से न केवल हैदराबाद बल्कि देश और विदेश की साहित्यिक दुनिया को अपूरणीय क्षति पहुंची है। उन्होंने बताया कि लगभग दो दशक पूर्व सांझ के साथी तथा दसरंग संस्था द्वारा हैदराबाद में आयोजित एक भव्य कवि सम्मेलन में डॉ. बशीर बद्र ने लगभग डेढ़ घंटे तक काव्य पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था। उनकी प्रस्तुतियों को आज भी साहित्य प्रेमी स्मरण करते हैं।

डॉ. बशीर बद्र का जन्म 15 फरवरी 1935 को आगरा में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डॉक्टरेट की उपाधियां प्राप्त कीं। बाद में उन्होंने वहीं अध्यापन कार्य किया तथा 17 वर्षों से अधिक समय तक मेरठ कॉलेज में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने बिहार उर्दू अकादमी के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।

वर्ष 1987 के मेरठ दंगों में उनके घर और निजी पुस्तक संग्रह को भारी क्षति पहुंची, जिसके बाद वे स्थायी रूप से भोपाल में रहने लगे।

डॉ. बशीर बद्र के अनेक ग़ज़ल संग्रह प्रकाशित हुए, जिनमें कुल्लियाते बशीर बद्र, आमद, इमेज, आहट तथा उजाले अपनी यादों के विशेष रूप से चर्चित रहे। उन्होंने साहित्यिक आलोचना पर आधारित आज़ादी के बाद उर्दू ग़ज़ल का तनक़ीदी मुताला और बीसवीं सदी में ग़ज़ल जैसी महत्वपूर्ण पुस्तकें भी लिखीं।

उनके शेरों का प्रभाव साहित्यिक जगत के साथ-साथ राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में भी देखा गया।

उनके उद्धरण अनेक राष्ट्रीय नेताओं द्वारा सार्वजनिक मंचों और संसद में भी दिए जाते रहे हैं।

साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. बशीर बद्र को वर्ष 1999 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

इसी वर्ष उनके कविता संग्रह आस के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

उनका प्रसिद्ध शेर-

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,
न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए

इतना लोकप्रिय हुआ कि विविध भारती के एक लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम का शीर्षक भी इसी शेर से प्रेरित रखा गया।

संस्था के अध्यक्ष अजित गुप्ता, उपाध्यक्ष बिशनलाल संघी, मानद मंत्री नन्दगोपाल भट्टड़, संयुक्त मंत्री ज्योतिनारायण, कोषाध्यक्ष कैलाश भट्टड़, परामर्शदाता वेणुगोपाल भट्टड़, नरेन्द्र राय, डॉ. ऋषभदेव शर्मा, रवि श्रीवास्तव, पं. रामकृष्ण पाण्डेय, भँवरलाल उपाध्याय, अनिल कुमार वाजपेयी, डॉ. मोहन गुप्ता, ओमप्रकाश अग्रवाल तथा बजरंग भगत सहित संस्था के अनेक पदाधिकारियों एवं साहित्यकारों ने डॉ. बशीर बद्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सेवा का सबसे बड़ा धर्म है जरूरतमंद की सहायता : प्रवीण विजयवर्गीय

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शनिवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा कार्य किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रवीण विजयवर्गीय ने कहा कि जीवन की वास्तविक सार्थकता दूसरों के दुःख को कम करने और जरूरतमंदों की सहायता करने में है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप वर्षों से निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता की मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। नियमित अन्नदान कार्यक्रम न केवल भूखे लोगों को भोजन उपलब्ध कराता है, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग मिलकर जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आते हैं, तब एक सकारात्मक और संवेदनशील समाज का निर्माण होता है। राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सदस्य इसी उद्देश्य के साथ सेवा कार्यों में अपनी भागीदारी निभा रहा है।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, लता गोयल एवं पन्नालाल अग्रवाल ने अन्नदान सेवा में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सेवा, समर्पण और मानवता के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राधे-राधे ग्रुप आगे भी इसी प्रकार सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

श्री सर्वेश - श्रीमती दीपिका गुप्ता
की वैवाहिक वर्षगाँठ पर
ओम विष्णु मेडिकल हॉल, गुलज़ार हौज़, चारकमान
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

शहरी गरीबों के लिए जल्द शुरू होंगे एक लाख इंदिराम्मा आवास: पोंगुलेटी श्रीनिवास

हैदराबाद, 30 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार जल्द ही शहरी गरीबों के लिए एक लाख 'इंदिराम्मा आवासों' के निर्माण की शुरुआत करेगी और इन्हें एक वर्ष के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने इस योजना को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की एक प्रमुख कल्याणकारी पहल बताया। महानगर के बंजारा हिल्स में मंत्रियों- पोन्नम प्रभाकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ एक 'एकीकृत उप-पंजीयक कार्यालय परिसर' का शिलान्यास करने के बाद बोलते हुए पोंगुलेटी ने कहा कि सरकार लाभार्थियों के लिए उन्हीं क्षेत्रों के भीतर आधुनिक घरों का निर्माण करेगी जहां वे वर्तमान में रहते हैं, ताकि उनकी आजीविका प्रभावित न हो। उन्होंने बताया कि पहले चरण में एक लाख घरों का निर्माण हाथ में लिया जाएगा और दूसरे चरण में अन्य एक लाख घर बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहले चरण का शिलान्यास जल्द ही मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। पिछली बीआरएस सरकार पर निशाना साधते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले आवास कार्यक्रमों के विपरीत, जिनमें लाभार्थियों को दूर-दराज के स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया जाता था, कांग्रेस सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि घर लाभार्थियों के संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के भीतर ही बनाए जाएं। पोंगुलेटी ने कहा कि सरकार कल्याणकारी योजनाओं को सीधे गरीबों के दरवाजे तक ले जाने और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए सम्मानजनक आवास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री ने कहा कि तीन नगर निगमों के अंतर्गत आने वाले 13 उप-पंजीयक कार्यालयों को अपग्रेड किया जाएगा और उन्हें कॉर्पोरेट शैली के माहौल में संचालित किया जाएगा, जिससे पंजीकरण, सर्वेक्षण और संबंधित विभाग की सेवाएं एक ही छत के नीचे आ जाएंगी। मंत्री के अनुसार, बंजारा हिल्स में बनने वाला यह एकीकृत परिसर 30,000 वर्ग फुट में फैला होगा, जिसे फीनिक्स ग्रुप) द्वारा विकसित किया जाएगा। इसमें एस.आर. नगर, बंजारा हिल्स और गोलकुंडा के उप-पंजीयक कार्यालयों के साथ-साथ डीआईजी कार्यालय और चिट्स रजिस्ट्रार का कार्यालय भी संचालित होगा। उन्होंने कहा कि इन एकीकृत सुविधाओं से जहां सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार होगा, वहीं क्षेत्र में रोजगार और व्यावसायिक अवसरों का भी सृजन होगा। पोंगुलेटी ने आगे कहा कि सरकार ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि मुस्लिम समुदाय के जो सदस्य पारंपरिक रूप से इस स्थल पर प्रार्थना करते आए हैं, उन्हें बिना किसी बाधा के साल में दो बार नमाज अदा करने की अनुमति दी जाती रहेगी।

SHED on RENT
FACTORY SHED
lease /Rent. 5000 sq feet
TIN SHED with 10 hp power
at JIYAGUDA.
Good for Wood furniture,
Iron furniture, Steel
furniture, Packing etc.
Contact:
9848225473,
9948137195
(9am to 9pm)

।। श्री गणेशाय नमः ।।
परम पावन पुरुषोत्तम मास (अधिकमास) के उपलक्ष्य पर
श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

सस्नेह निमंत्रण
राधे राधे
मंगलवार 2 जून से मंगलवार 9 जून 2026
प्रतिदिन मध्याह्न 3 से सायं 7 बजे तक
कथा स्थल : विशामोढ़ गौभुजा समाजवाड़ी
गिरीराज लेन, गुजराती गली, कोठी, हैदराबाद
सभी भगवत् भक्त सादर आमंत्रित हैं।
कथा प्रवक्ता : पं. मनोज त्रिवेदी (श्रीमाली)

सम्पर्क सूत्र : 9246361507, 9848334377
अपनी अमृतमयी वाणी द्वारा कथामृत का रसपान कराएँगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.